04 - समाज को जोड़ने के लिए है राजनीति

05 - राज्यसभा चुनाव और न्यायालयों के फैसले

A Daily News Magazine

भोपाल

सोमवार, 08 जुलाई, 2024

06- ग्रामीण बोले : कलेक्टर साहब प्लीज हमारी समस्या का समाधान करिए

07- इस्लाम की हिफाजत और इंसानियत के कल्याण की यात्रा है...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 301 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

कविता जल में घुली हुई-सी
गहराई में उतरी-सी
हृदय-कुण्ड में उठी हूक-सी
जल तरंग-सी शान्त
कभी लहर-सी व्याकुल
सांसों में अनन्य-सी
धूप में घुली हुई-सी कविता
बसते रहते हैं जिसमें
छोटे-छोटे रूप अखण्डित
जाने-अनजाने
कविता कहां जानती
किसके लिए चली आती है
मन कैसे हो जाता है आकाश
कैसे छा जाता है सब पर
किसी शब्द-सा
कोई पंथ नहीं कविता का
सबका पंथ निहार रही है
घटते जाते नयनों में
अटके आंसू-सी।

- ध्रुव शुक्ल

पहली बात

कांग्रेस-भाजपा के बीच हकीकत नकारने की सियासत

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

अठारहवीं लोकसभा में नेता, प्रतिपक्ष की रूप में राहुल गांधी के राजनैतिक अवतार को लेकर लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित समूचा सत्ता पक्ष असहज है। राहुल का सियासी कद वह कबूल नहीं कर पा रहा है। अपने बलबूते पर सरकार नहीं बना पाने की परिस्थितियों ने इस असहजता को बढ़ा दिया है। भाजपा की असहजता अपनी जगह है, लेकिन तथ्य यह भी है कि कांग्रेस भी अपने राजनैतिक-उन्नयन को लेकर सहज नहीं है। सदन की कार्रवाई के दरम्यान दिखने वाला उसका अतिरंजित उत्साह, उत्तेजना और उन्माद इसे रेखांकित कर रहा है। भाजपा और कांग्रेस की असहजताओं ने दोनो पक्षों की राजनीति को अकल्पनीय रूप से आक्षेपपूर्ण आक्रामकता से सराबोर कर दिया है। पक्ष-विपक्ष की यह आक्रामकता और घात-प्रतिघात लोकतंत्र की संसदीय परम्पराओं की अक्षुण्णता पर संकट बनकर मंडराने लगे हैं।

नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेने के बाद लोकसभा के भीतर और बाहर पहले एक महिने की घटनाओं के राजनीतिक कथानक में 'बिटविन द लाइन्स' साफ दिख रहा है कि आने वाले समय में लोकसभा और लोकतंत्र को फजीहत से बचाना मुश्किल ही नहीं, बल्कि असंभव होगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद-प्रस्ताव पर बहस के दौरान प्रधानमंत्री और नेता, प्रतिपक्ष के संबोधन में उठे शब्दों के बवण्डर ने उन सारे आश्वासनों को धूल-धूसरित कर दिया है, जो दोनो नेताओं ने लोकसभा के मंगलाचरण में दिए थे।

लोकसभा में अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि लोकतंत्र के संचालन में लोकसभा की भूमिका सिर्फ नम्बर-गेम के माध्यम से सत्ता की ताकत दिखाने वाली नहीं होना चाहिए, बल्कि पक्ष-विपक्ष की आपसी समझ, समन्वय और समालोचना से राष्ट्र को उत्तरोत्तर विकास की ओर ले जाने वाला माध्यम होना चाहिए। राहुल गांधी ने भी कहा था कि देश में आप याने भाजपा सरकार में हैं, यह हम स्वीकार करते हैं, लेकिन विपक्ष के रूप में हम आपके दुश्मन नहीं, बल्कि पूरक के रूप में काम करना चाहते हैं और करेंगे भी। आप हमें अपना प्रतिव्दंदी या शत्रु नहीं बल्कि एक प्रतिस्पर्द्धी मानें। हम मिलकर देश को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। दोनो नेताओं की यह इस इबारत में अब कटुता और कलह का कसैलापन रिसने लगा है, जिसकी वजह से सारा सियासी माहौल बदमिजाजी में तब्दील होने लगा है।

नेता,प्रतिपक्ष के नाते राहुल गांधी के पहले भाषण की सोशल मीडिया पर गहरी समीक्षा हो रही है। उनके भाषण के दरम्यान में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा पांच वरिष्ठ मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, शिवराजसिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव और किरण रिजिजू के हस्तक्षेप और विरोध ने उनके भाषण की राजनीतिक महत्ता को बढ़ा दिया है। मोदी के तीन कार्यकालों में यह शायद पहला अवसर था, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने सदन की किसी बहस में हस्तक्षेप किया। प्रथम दृष्टया राहुल गांधी को नेता, प्रतिपक्ष के रूप में स्वीकार करने में असहज सत्ता पक्ष अपने घटते राजनीतिक वजूद के बावजूद चुनाव के जनादेश के प्रकाश में प्रतिपक्ष को अपेक्षित स्पेस देने को तैयार प्रतीक नहीं हो रहा है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के प्रति-उत्तर में राहुल गांधी के भाषण के बड़े हिस्सों को एकतरफा तरीके से कार्रवाई से विलोपित करने की कार्रवाई इसका उदाहरण है। राहुल गांधी ने स्पीकर को पत्र लिखकर इसका विरोध किया है। राहुल ने कहा है कि मेरे विचारों को विलोपित करना संसदीय लोकतंत्र की भावनाओं के खिलाफ है। जबकि पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के भाषण में आरोपों की भरमार थी, लेकिन उनके भाषण से एक शब्द हटाया गया, जबकि उनके भाषण के कई प्रमुख अंशों को विलोपित किया गया है। यह कार्रवाई पक्षपातपूर्ण है।

अभिभाषण के जवाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण में आरोपों की भरमार थी। राहुल गांधी की राजनैतिक समझ और गतिविधियों को कठघरे में खड़ा करते हुए मोदी ने राहुल को बाल-बुद्धि याने सार्वजनिक, राजनीतिक और संसदीय मर्यादाओं और तकाजों से अनभिज्ञ नेता के रूप में चित्रित करते हुए उनकी खिल्ली उड़ाई थी। पर्यवेक्षकों ने सदन के नेता के रूप में मोदी के इस भाषण को एक उत्कृष्ट स्टेट्मेन के उच्चतर मानदंडों के अनुकूल अथवा संसदीय महारथी के गंभीर वक्तव्य मानने के बजाय एक तीखा और विपक्ष पर तीखे हमला करने वाला राजनीतिक भाषण निरूपित किया है।

पक्ष-विपक्ष के बीच यह खींचतान, टकराव और आक्रामकता के अपने अलग सियासी कारण हैं। कांग्रेस के इंडिया गठबंधन की थ्योरी है कि अपने बलबूते पर सरकार बनाने में असफल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में यह धारणा धूल धूसरित हो चुकी है कि मोदी और भाजपा को कभी हराया नहीं जा सकता है। यह भाजपा के कमजोर होने का सबूत है। मोदी बैसाखियों पर खड़े प्रधानमंत्री हैं। इसके विपरीत भाजपा का कहना है कि तेरह-चौदह राज्यों में कांग्रेस की राजनैतिक हैसियत शून्य है और कई राज्यों में उसे एक भी सीट नहीं मिली है। लोकसभा में कांग्रेस दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है। उसकी हैसियत भाजपा को चुनौती देने वाली नहीं है। इसलिए वो मोदी को सवालों के कठघरे में खडा करने की स्थिति में नही हैं।

लेकिन भाजपा के पास इंडिया गठबंधन के इस तर्क का माकूल जवाब नहीं है कि सदन में भले ही नरेन्द्र मोदी ने सरकार बना ली है और संख्या-बल उनके पास ज्यादा हो, लेकिन इंडिया गठबंधन के खाते में नैतिक बल ज्यादा है, क्योंकि जनता ने मोदी के स्पष्ट जनादेश नहीं दिया है। जनादेश मिलजुल कर सरकार चलाने और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करने के लिए है। साथ ही भाजपा और एनडीए की सीटें कम हुई हैं,जबकि इंडिया गठबंधन की सीटों में खासा इजाफा हुआ है। एक-दूसरे को कमजोर साबित करने और खुद को मजबूत दिखाने की इस होड़ ने आक्रामक रूख अख्तियार कर लिया है।चचुनाव के नतीजों की हकीकत नकारने के लिए इस आक्रामकता का कोई स्तर और सीमा नहीं है। यह लोकतंत्र के लिए आत्मघाती भी है।

पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा शुरू

पुरी (एजेंसी)। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू हो गई है। सबसे पहले बलभद्र का रथ खींचा गया है। रथ रुक-रुक कर आगे बढ़ रहा है। कुछ देर बाद सुभद्रा और जगन्नाथ जी का रथ खींचा गया। सूर्यास्त तक ही रथयात्रा चली और कल सुबह आठ बजे से रथयात्रा फिर शुरू होगी। जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद के मुताबिक, भगवान को आम दिनों से 2 घंटे पहले जगाया गया। मंगला आरती सुबह 4 की बजाय रात 2 बजे हुई। मंगला आरती के बाद करीब ढाई बजे दशावतार पूजन हुआ। 3 बजे नैत्रोत्सव और 4 बजे पुरी के राजा की तरफ से पूजा की गई। सुबह 5.10 बजे के बाद सूर्य पूजा और करीब 5.30 बजे द्वारपाल पूजा हुई। सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी भोग-प्रसाद लगाया गया। रथयात्रा में बहुत ज्यादा भीड़ की वजह से भगवान के नवयौवन दर्शन नहीं हो पाए। रथयात्रा में

दुर्लभ संयोग रहा खास: भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा रथों में विराजित होकर भ्रमण पर निकले

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शामिल हुईं। पीएम नरेंद्र मोदी ने रथयात्रा की देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। बलभद्र के बाद देवी सुभद्रा का रथ आगे बढ़ने लगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी भक्तों के साथ देवी का रथ खींचा। इसके बाद वे यहां से लौट गईं और कल सुबह फिर रथयात्रा में शामिल होंगी। वहीं आपको बता दें कि भगवान जगन्नाथ आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से दशमी तिथि तक जन सामान्य के बीच रहते हैं। साथ ही इस अवधि में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर विराजकर गुंडीचा मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। यह भव्य आयोजन 10 दिनों तक चलता है। साथ ही 53 साल बाद यह यात्रा दो-दिवसीय होगी। ग्रह-नक्षत्रों की गणना के अनुसार इस साल दो-दिवसीय यात्रा आयोजित की जा रही है। वहीं आपको बता दें कि आखिरी बार 1971 में दो-दिवसीय यात्रा का आयोजन किया गया था। भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष कहा जाता है। साथ ही इस रथ पर लहरा रहे ध्वज का नाम त्रिलोक्यमोहिनी नाम से जाता जाता है। वहीं इस रथ में 16 पहिए होते हैं। साथ ही यह रथ 13.5 मीटर ऊंचा होता है। वहीं इसमें 14 पहिये होते हैं। शास्त्रों के अनुसार जगन्नाथ भगवान की छोटी बहन सुभद्रा का रथ का नाम पद्मध्वज है। वहीं इस रथ को तैयार करने में काले और लाल रंग के कपड़ों का प्रयोग किया जाता है। रथ की रक्षक जयदुर्गा व सारथी अर्जुन होते हैं। भगवान जगन्नाथ की यह रथयात्रा सदियों से चली आ रही है। भक्त इस रथयात्रा में बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं।

झारखंड और गुजरात में हादसा, 10 लोगों की मौत

देवघर-सूरत (एजेंसी)। झारखंड के देवघर में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया है। शहर के सीता होटल के पास तीन मंजिला मकान सुबह पांच बजे के करीब भरभरा कर गिर गया। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला

● सूरत में 6 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 7 लोगों की गई जान

गया। घटना की सूचना मिलने के बाद एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू में जुटी हुई। 8 घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चला। टीम ने 4 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, जिसमें तीन बच्चे शामिल हैं। इसमें दिनेश वर्णवाल, मुन्नी वर्णवाल, सत्यम और अनुपमा देवी घायल हैं, जिनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। वहीं, मृतकों की पहचान मनीष दत्त (50), सुनील यादव (35) और सुनील यादव की पत्नी सोनी देवी (28) के रूप में की गई है। देवघर में

देवघर में तीन मंजिला पुरानी इमारत गिरी, 3 की मौत

22 जुलाई से श्रावणी मेला शुरू होने वाला है। ऐसे में क्षेत्र के लोग इसकी तैयारी में जुटे हुए हैं। उधर गुजरात के सूरत में एक दर्दनाक हादसा हो गया।

सूरत के सचिन इलाके में एक 6 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इस 6 मंजिला बिल्डिंग के मलबे में कई लोग दब गए। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है। इन सातों लोगों के शवों को बरामद कर लिया गया है। अभी और लोगों के भी दबे होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बचाव कार्य में जुटी टीमें मलबे को हटाकर जांच में जुटी हुई हैं। जानकारी में सामने आया है कि सूरत के जो बिल्डिंग गिरी है। वह सिर्फ आठ साल पुरानी थी। यह बिल्डिंग 2016 में बनी थी। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है क्या बहुमंजिला बिल्डिंग के निर्माण में सही निर्माण सामग्री का इस्तेमाल नहीं हुआ था। इस बिल्डिंग में छह परिवारों के रहने की बात सामने आई है।

पार्टी ऑफिस में नहीं दफनाया जाएगा बीएसपी नेता का शव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के चेन्नई में मारे गए बहुजन समाज पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग के शव को पार्टी कार्यालय में नहीं दफनाया जाएगा। मद्रास हाईकोर्ट ने पार्टी कार्यालय में उनका शव दफनाए जाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है।

टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की फिर से बढ़ गई मुश्किलें

● नए आपराधिक कानूनों के तहत दर्ज हुई एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाथरस कांड के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा के खिलाफ किए गए एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर महुआ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। नए आपराधिक कानून के तहत महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने को लेकर मामला दर्ज हुआ है। यूपी के हाथरस में पिछले दिनों भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई थी, जिसके बाद 121 लोगों की जान चली गई। इस हादसे के बाद महिला आयोग प्रमुख रेखा शर्मा घटनास्थल पर पहुंची थीं। सामने आए वीडियो में रेखा शर्मा के लिए किसी और ने बारिश से बचाने के लिए छाता पकड़ा हुआ था। इस पर महुआ मोइत्रा ने एक्स पर लिखा था कि वह अपने बॉस का पजामा संभालने में बहुत व्यस्त हैं।

भारतीय समाज सदैव से रहा है प्रकृति पूजक

क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी में इंदौर बनेगा नम्बर-1 : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज इंदौर स्थित बीएसएफ रेंज क्षेत्र में वृहद पौध-रोपण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए अपनी माताजी की स्मृति में पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती लीलाबाई श्री पूनमचंद जी यादव की स्मृति

● जीवन देने वाली माँ को नमन और प्रकृति माँ के सम्मान करना हमारा कर्तव्य : केंद्रीय मंत्री श्री यादव

● मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री श्री यादव और अन्य जन-प्रतिनिधियों ने इंदौर की बीएसएफ रेंज में किया पौध-रोपण

में बरगद का पौधा लगाया। केन्द्रीय मंत्री श्री यादव ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती संतरा यादव, प्रदेश के नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी माताजी स्व.श्रीमती अयोध्या देवी विजयवर्गीय की स्मृति में आम का वृक्ष लगाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा आदिकाल से इंदौर और उज्जैन का पर्यावरण के महत्व में विशेष संबंध रहा है। मां क्षिप्रा सहित

7 नदियों के उद्गम का स्थल इन्दौर है। देश एवं दुनिया में इंदौर की विशेष पहचान है। क्लीन सिटी के साथ अब ग्रीन सिटी में भी इंदौर अवश्य नम्बर वन बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में वृहद पौध-रोपण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर देश में एक पेड़ मां के नाम अभियान से पौध-रोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रयास से मध्यप्रदेश को चीते मिले, जो प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। भारत की वैदिक परंपराओं में कहा गया है कि 10 कुओं के समान एक सरोवर, 10 सरोवर के समान एक तालाब, 10 तालाब के समान एक पुत्र और 10 पुत्रों के समान एक वृक्ष होता है। ऐसी हमारी वैदिक मान्यता होकर वृक्ष की महत्ता हमारी परम्परा में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनेगा, इसी संकल्प के साथ पूरा इंदौर इस अभियान से जुड़ा है।

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने कहा प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। पूरे देश में 140 करोड़ पौधे लगाने का महा अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा इस वर्ष गर्मी का प्रचंड रूप 45 से 50 डिग्री तापमान के रूप में देखने को मिला। केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने कहा कि पूरी दुनिया में विकास और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मनुष्य ने कांक्रिट के शहर तो बसा दिए लेकिन धरती की हरियाली को नष्ट कर दिया। मनुष्य कितनी भी तरक्की कर ले लेकिन भोजन, पानी, दवाओं का अंतिम तत्व सहित कई आवश्यक चीज प्रकृति उपहार में देती है लेकिन हम प्रकृति को इसके बदले में क्या लौटाते है। एक मां ने हमें जन्म दिया तथा एक धरती मां हमें जीवन जीने के साधन प्रदान करती है। जीवन देने वाली मां को नमन करने और प्रकृति मां के प्रति सम्मान के प्रति हरी भरी धरती देने के संकल्प को पूरा करना हमारा कर्तव्य है। धरती केवल इंसान के लिए नहीं समस्त जीव मात्र के लिए है, इसलिए देश में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत प्रत्येक देशवासी से पौध-रोपण का आह्वान किया गया है। वृक्षारोपण की पहल में म.प्र. का प्रयास सराहनीय है। इंदौरवासियों का क्लीन इंदौर के साथ ग्रीन इंदौर बनाने का अभियान प्रशंसनीय है। केन्द्रीय मंत्री श्री यादव एवं मुख्यमंत्री डॉ.यादव का सम्मान पगड़ी, अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

उत्तराखंड की बारिश बढ़ा रही है मुश्किलें, दिल्ली में बाढ़ का संकट!

नई दिल्ली (एजेंसी)। जुलाई 2023 में मॉनसून के दौरान यमुना में ऐसी बाढ़ आई कि उसने पिछले सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए। 13 जुलाई 2023 को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यमुना का जलस्तर 207.49 मीटर रहा। एक्सपर्ट के

● देवभूमि के हथिनी कुंड से छोड़ा गया 18,865 क्यूसेक पानी मचाएगा हाहाकार

अनुसार बीते साल बाढ़ आने के बाद भी यमुना पर काम न के बराबर हुआ है। कोर्ट के आदेशों के बावजूद डीडीए समेत कई एजेंसियों ने इसमें ढिलाई बरती है। ऐसे में इस बार भी उत्तराखंड में अधिक बारिश आने पर हालात बेकाबू होने के आसार हैं। साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डेम्स, रिवर्स एंड पिपल्स के भीम सिंह रावत ने बताया कि जुलाई 2023 में यमुना की बाढ़ से काफी संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। उस बाढ़ से साफ था कि डीडीए, जलबोर्ड आदि यमुना के फ्लड प्लेन की अहमियत समझने और उसे मैनटेन करने में विफल रहे हैं। एक साल बाद भी सीवीसी (सेंट्रल वॉटर

कमीशन) ने उस बाढ़ का कोई रिजन नहीं दिया है। 11 जुलाई 2023 को हथनीकुंड बैराज से 3.6 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। यह 3 सितंबर 1978 में छोड़े गए पानी से लगभग आधा है। उस दिन 7 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38.5 °c
न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 08 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

आम बजट

बिहार की लगेगी लॉटरी, आंध्र ने भी रखी डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को देश का बजट पेश करेंगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करने में असफल रही। एनडीए सरकार की निर्भरता चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतिश कुमार की पार्टी जेडीयू पर अधिक है। यही कारण है कि इस साल के बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों पर केंद्र सरकार मेहरबानी दिखा सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ही राज्यों ने 2024 के केंद्रीय बजट से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मांगी है। रॉयटर्स और एक सूत्र द्वारा समीक्षा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, भाजपा के दो प्रमुख सहयोगियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए फंड के अलावा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए उधार लेने की सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। 16 सांसदों वाली टीडीपी और 12 सांसदों वाली जेडीयू ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में भाजपा को केंद्र में सरकार बनाने में मदद की थी।

केजरीवाल के चेकअप के वक्त मौजूद नहीं रहेंगी पत्नी सुनीता

- कोर्ट बोला-कई कैदी डाइबिटीज के मरीज,उन्हें भी अटेंडेंट रखने की परमीशन नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केजरीवाल को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार 6 जुलाई को एक और झटका दिया है। कोर्ट ने उनके मेडिकल चेकअप के दौरान उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मौजूद रहने की इजाजत देने इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने सुनीता केजरीवाल को मेडिकल बोर्ड से मिलने की इजाजत दे दी है। साथ ही कहा है कि केजरीवाल की सभी मेडिकल रिपोर्ट भी सुनीता को दी जाएंगी।

भारत ने 100 रन से जीता दूसरा टी-20

जिम्बाब्वे को 134 पर समेटा, सीरीज 1-1 से बराबर

हरारे (एजेंसी)। भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी-20 में 100 रन से हरा दिया। भारत ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में रविवार को टॉस जीतकर पहले बैटिंग की। अभिषेक शर्मा के शतक और ऋतुराज गायकवाड के 77 रन के सहारे भारत ने 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले, 2018 में ऑस्ट्रेलिया ने 229 रन का स्कोर बनाया था।

चीन के छक्के छुड़ाने आ गया भारत का जोरावर

- यूक्रेन युद्ध की सीख से तैयार हुआ महारथी, फीचर्स भी हैरान करने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय सेना को एक और बड़ी ताकत मिलने जा रही है। लद्दाख में चीन के सामने तैनात भारतीय बलों को जल्द ही देश में बना टैंक 'जोरावर' मिलने जा रहा है। इस टैंक को भारत की प्रमुख डिफेंस रिसर्च एजेंसी रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और निजी क्षेत्र की फर्म लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) ने बनाया है। स्वदेशी लाइट टैंक जोरावर अपने ट्रायल के एडवांस स्टेज में हैं। इस बेहद एडवांस फीचर वाले टैंक को दो साल में तैयार किया है। सबसे खास बात ये है कि इन टैंकों को चीन के सामने सीमा पर तैनात किया जाएगा। यह टैंक हल्का और तेज होने के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी है। जोरावर को भारतीय सेना की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित किया गया है ताकि उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इसकी तैनाती आसानी से की जा सके। इसके डिजाइन और निर्माण में नवीनतम तकनीकों का उपयोग किया गया है। डीआरडीओ प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ने शनिवार को गुजरात के हजीरा स्थित लार्सन एंड टूब्रो संयंत्र में प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस खुद चेक की। डीआरडीओ और एलएंडटी ने रूस और यूक्रेन युद्ध से सबक लेते हुए टैंक में बेहद कमाल के फीचर्स जोड़े हैं। इसमें टैंक के लोइटरिंग म्यूनिशन में यूएसवी (मानवरहित सतह वाहन) को इंटीग्रेट किया गया है। लोइटरिंग म्यूनिशन एक प्रकार का हथियार है जो टारगेट एरिया में मंडराता है और सही समय पर निशाना साधकर हमला करता है। इसे कामीकाजी ड्रोन के नाम से भी जाना जाता है। ये म्यूनिशन ऑटोमैटिक होते हैं और इन्हें पहले से निर्धारित लक्ष्य या क्षेत्रों में भेजा जा सकता है। जब ये अपना लक्ष्य पहचान लेते हैं, तो वे सीधे उस पर हमला करते हैं।

हाथरस कांड को लेकर राहुल ने लिखी सीएम योगी को चिट्ठी

लेटर में की मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग, 121 लोगों की गई है जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाथरस भगदड़ कांड को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने अपने पत्र के माध्यम से मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने खुद एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। राहुल गांधी लिखते हैं, हाथरस में भगदड़ हादसे से प्रभावित पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर, उनका दुख महसूस कर और समस्याएं जान कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र के माध्यम से उनसे अवगत कराया। राहुल गांधी ने कहा, मुख्यमंत्री से मुआवजे की राशि को बढ़ाकर शोकाकुल परिवारों को जल्द से जल्द प्रदान करने का आग्रह किया। इस दुख की घड़ी में उन्हें हमारी सामूहिक संवेदना और सहायता की आवश्यकता है। हाथरस में मंगलवार को प्रवर्चनकर्ता 'भोले बाबा' के सत्संग में मची भगदड़ में कुल 121 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। गांधी ने शुक्रवार सुबह पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी। वहीं, योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की थी कि मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा दिया जाएगा। राहुल गांधी ने छह जुलाई को आदित्यनाथ को लिखे अपने पत्र में कहा, ''उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित मुआवजा अपर्याप्त है। मैं आग्रह करता हूं कि मुआवजे की राशि बढ़ाई जाए और इसे जल्द से जल्द दिया जाए।' कांग्रेस नेता ने कहा कि घायलों को उचित उपचार और उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हाथरस में भगदड़ की घटना में 120 से अधिक लोगों की मौत की खबर से मैं स्तब्ध हूं।

अब मुंबई में पुणे जैसा हादसा, महिला की मौत

- बीएमडब्ल्यू ने दंपति को मारी टक्कर,महिला को 100 मीटर घसीटा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में चर्चित पोर्श एक्सीडेंट केस के बाद अब मुंबई में हिट एंड रन की घटना सामने आई। मुंबई के वर्ली में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने स्कूटी सवार दंपति को टक्कर मार दी। आरोपी ने मौके से भागने के दौरान 45 साल की महिला को कार से 100 मीटर तक घसीटा, जिससे उनकी मौत हो गई। पति घायल है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के नेता राजेश शाह का 24 साल का बेटा मिहिर शाह चला रहा था। उसके साथ ड्राइवर भी था। घटना के बाद से मिहिर फरार है। पुलिस ने राजेश शाह और ड्राइवर को हिरासत में लिया है। कार भी जब्त कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके में रहने वाले प्रदीप नखवा और उनकी पत्नी कावेरी नखवा मछुआरे समुदाय के हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में 6 आतंकी ढेर, 2 जवान शहीद

- 2 जगहों पर 2 दिन से एनकाउंटर जारी, राजौरी में आर्मी कैंप पर हमला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में रविवार को लगातार दूसरे दिन मुठभेड़ जारी है। मुदरघम और चिन्निगम फ्रिसल में अब तक 6 आतंकी मारे गए हैं। दो जवान शहीद हुए हैं। मुदरघम में एक-दो आतंकियों और चिन्निगम फ्रिसल में एक और आतंकी के छिपे होने की संभावना है। मुदरघम में सुबह दो आतंकी मारे गए हैं। यहां शनिवार को एक आतंकी मारा गया था। एक जवान शहीद हो गया था। कुलगाम के चिन्निगम फ्रिसल में कल चार आतंकी मारे गए। एक जवान शहीद हुआ था। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने बताया कि दोनों जगहों पर मुठभेड़ जारी है। हमें स्थानीय आतंकियों के भी शामिल होने की खबर मिली है। 6 आतंकी मारे गए हैं। यह सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में आतंकियों ने रविवार सुबह एक आर्मी कैंप पर हमला कर दिया। इसमें एक जवान घायल हो गया। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकी घने जंगल के रास्ते भाग गए। सेना और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

कुलगाम के मुदरघम में शनिवार (6 जुलाई) की सुबह सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की थी, जिसमें हरियाणा के रहने वाले लांस नायक प्रदीप नैन शहीद हो गए। वहीं, चिन्निगम में शनिवार की दोपहर में मुठभेड़ शुरू हुई थी। शाम होते-होते जवानों ने 4 आतंकियों का एनकाउंटर कर दिया। ड्रोन कैमरे में सभी की लाशें दिखीं।

स्वागत को बेकरार...

पीएम मोदी के ऑस्ट्रिया दौरे पर चांसलर ने लिखी पोस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रिया के दौरे पर जाने वाले हैं। इसको लेकर ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने खुशी जताई है। इसके अलावा पीएम मोदी का स्वागत करते हुए नेहमर ने एक्स पर पोस्ट भी लिखी है। नेहमर ने कि

- **40 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री होगी पहली यात्रा**

यह यात्रा एक विशेष सम्मान है क्योंकि यह 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मेरे देश की पहली यात्रा है। नेहमर की इस पोस्ट पर पीएम मोदी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा है कि भारत और ऑस्ट्रिया के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस मध्य यूरोपीय देश की यात्रा करना वास्तव में सम्मान की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने तथा सहयोग के नये रास्ते तलाशने पर चर्चा होगी। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी आठ और नौ जुलाई को रूस

की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जहां वह 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और इन दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की समीक्षा की जाएगी। मोदी रूस से ऑस्ट्रिया जाएंगे। वह नौ और 10 जुलाई को ऑस्ट्रिया में रहेंगे। पीएम मोदी के स्वागत में ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के सोशल मीडिया पोस्ट लिखी थी। इसमें उन्होंने लिखा कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अगले सप्ताह वियना में स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हम भारत के साथ राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा हमें अपने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने और कई भू-राजनीतिक चुनौतियों पर बेहतरीन सहयोग के बारे में बात करने का अवसर मिलेगा। नेहमर की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उनका आभार जताया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर ऑस्ट्रिया की यात्रा करना वास्तव में एक सम्मान है।

असम में बाढ़ से हाहाकार ,58 की मौत

दिसपुर (एजेंसी)। पिछले एक महीने से असम में लोगों का बाढ़ से बुरा हाल है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया था लेकिन बाढ़ के पानी में इसके बाद भी 58 लोगों की जान ले ली। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले महीने असम में गंभीर बाढ़ की स्थिति ने भर में करोड़ों के इंन्फ्रास्ट्रक्चर को बर्बाद कर दिया है। बाढ़ के पानी से बहुत ज्यादा हानि हुई है, सड़कें बंद हो गई है, फसल नष्ट हो चुकी है और घरेलू जानवरों की भी बहुत बड़ी मात्रा में हानि हुई है। बाढ़ के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,27 जिलों में 577 राहत शिविरों और वितरण केंद्रों में 526,000 से अधिक लोग शरण ले रहे हैं। असम में बहने वाली ब्रह्मपुत्र सहित 10 नदियां अपने उफान पर हैं, वे या तो अपने खतरे के निशान पर बह रही हैं या फिर खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। ब्रह्मपुत्र नदी का जल स्तर नेमाटीघाट, तेजपुर, धुबरी और गोलपारा में खतरे के निशान से ऊपर है। एएसडीएमए की बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को पूरे जिले की बाढ़ की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ था लेकिन 29 जिलों के 2.39 मिलियन लोगों से अधिक अभी भी बाढ़ की दूसरी लहर से प्रभावित हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क की फील्ड डायरेक्टर सोनाली घोष ने बताया कि पार्क में बाढ़ से अब तक 114 जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है।

नूंह में फिर निकाली जाएगी ब्रजमंडल शोभा यात्रा

हिंदू संगठनों ने शुरू की तैयारी, प्रशासन हो गया सतर्क, अभी नहीं ली गई डीसी और एसपी से यात्रा की अनुमति

नूंह (एजेंसी)। हिंदू संगठनों द्वारा नूंह (मेवात) जिले में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ब्रजमंडल शोभा यात्रा निकालने की बात कही गई है। इस यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन अभी से अलर्ट हो गया है ताकि पिछले वर्ष 31 जुलाई को यात्रा के दौरान हुए हिंसा और आगजनी जैसी घटनाओं का दोबारा सामना न करना पड़े। पिछले साल के दंगो में करीब 7 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे। सैकड़ों वाहनों को आग के हवाले किया गया तथा 100 से अधिक हिंसा के आरोपी आज भी जेल में बंद हैं। यही कारण है कि इस संभावित यात्रा पर जिला प्रशासन ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के साथ ही आमजन की भी नजरें टिकी हुई हैं। हालांकि विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल,गोरक्षा दल और अन्य हिंदू संगठनों द्वारा अभी तक शोभायात्रा के लिए प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली गई है। लेकिन कुछ संगठन के पदाधिकारियों ने इस यात्रा को 22 जुलाई को निकालने की बात जरूर कही है।

अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर लगेगा ध्वज स्तंभ

आंधी-पानी से 200 साल रहेगा सुरक्षित,राम कथा संग्रहालय का हो रहा जीर्णोद्धार

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय का शनिवार को निरीक्षण कर वहां उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण की ओर से करवाए जा रहे संग्रहालय के मरम्मत के काम को देखा। इसमें संग्रहालय मे छत से ग्राउंड फ्लोर में गिरने वाले पानी को रोकने की समुचित व्यवस्था करने को कहा गया है। मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि निर्माण इकाई संग्रहालय में गैलरी से लेकर उन सभी स्थलों को खूबसूरत बना रही है, जहां पुरातात्विक महत्व की पुरावशेषों को सुरक्षित और खूबसूरती के साथ डिस्प्ले किया जा सके। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने निर्माण समिति की बैठक में रखे गए एजेंडों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंदिर के 161 फुट ऊंचे शिखर पर लगने वाले ध्वज स्तंभ को लेकर तकनीकी और सुरक्षा के बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिसमें शिखर के ऊपर 40 फुट उंचे ध्वज स्तंभ लगने पर इसे बंदरों और आधी तूफान से सुरक्षित कैसे रखा जाएगा। साथ ही आकाशीय बिजली से कैसे बचाया जाएगा। इस पर इंजीनियरों ने कहा कि जिस हुक से इसे शिखर पर लगाया जाएगा।

बड़ा खुलासा ! अडानी के खिलाफ हुई इंटरनेशनल साजिश

- हिंडनबर्ग ने दो महीने पहले क्लाइंट से शेयर की थी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह के खिलाफ अपनी रिपोर्ट की एक कॉपी इसके पब्लिश होने से लगभग दो महीने पहले अपने क्लाइंट को शेयर की थी। इसे न्यूयॉर्क के हेज फंड मैनेजर मार्क किंग्डन को शेयर किया गया था। इसने ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में उतार-चढ़ाव का फायदा उठाया था। बाजार नियामक सेबी ने यह दावा किया है। सेबी ने हिंडनबर्ग को भेजे अपने 46 पन्ने के कारण बताओ नोटिस में इस बारे में विस्तार से बताया है। सेबी ने बताया है कि कैसे अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग को अडानी ग्रुप की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन में गिरावट से फायदा हुआ। रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद ग्रुप की कंपनियों में भारी-भरकम 150 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। हिंडनबर्ग ने न्यूयॉर्क के हेज फंड और कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े ब्रोकर को पहले ही इस रिपोर्ट की कॉपी शेयर की थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री यादव के साथ देवी अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

इंदौर (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में इंदौर में आयोजित पौध-रोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव शामिल हुए। उन्होंने इंदौर पहुंचकर पहले देवी अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने इस अवसर पर रुद्राक्ष के पौधों का रोपण भी किया।

इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री गोलू शुक्ला, श्री गौरव रणदिवे, श्री चिंटू वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारे लिए बड़ी ही खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में साढ़े 5 करोड़ पौधों का रोपण किया जा रहा है। यह गर्व का विषय है कि इंदौर शहर और पूरे जिले में 51 लाख पौधे लगाए जाने का कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पौध-रोपण अभियान एक जन अभियान का रूप ले रहा है। इसमें समाज के हर वर्ग की सक्रिय सहभागिता सामने आ रही है।

भोपाल में बीपीईडी छात्रा से छेड़छाड़

सहपाठी ने दिया वारदात को अंजाम, आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देता था

भोपाल (नप्र)। भोपाल में रहकर बेचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीईडी) की छात्रा के साथ उसके सहपाठी युवक ने अश्लील हरकत की। आरोपी ने उसके साथ मॉर्फ वीडियो और फोटो भी तैयार कर लिए। इन फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने पीड़िता पर अड़ीबाजी की।

उससे पचास हजार रुपए की मांग की। आए दिन की हरकतों से तंग फरियादिया ने इस मामले की शिकायत जहांगीराबाद थाने में कर दी। जांच के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी युवक की गिरफ्तारी कर ली गई है।

जहांगीराबाद थाने के टीआई संजय सिंह सोनी ने बताया कि 22 वर्षीय पीड़िता मूल रूप से कटनी की रहने वाली है। फिलहाल वह जहांगीराबाद इलाके में स्थित हॉस्टल में रहती है। बीपीईडी फाइनल ईयर की छात्रा है। उसी के साथ आरोपी जीतेंद्र कुमार पराशर भी पढ़ता है, दोनों ट्रेनिंग के लिए पिछले साथ आगरा गए थे। वहां दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई।

दोनों साथ घूमने फिरने भी लगे, वहां से लौटने के बाद आरोपी ने पीड़िता के साथ अश्लील हरकत की। इसका आरोपी ने गोपनीय तरीके से फोटो ले लिया। पिछले कुछ समय से आरोपी लड़की पर जबरन संबंध बनाने के दबाव डालने लगा। बात नहीं मानने पर उसके पर्सनल फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी देने लगा।

बात करने के नाम पर बुलाया और धमकाने लगा

शनिवार को आरोपी ने पीड़िता को बात करने के बहाने इंडियन कॉफी हाउस पुलिस मुख्यालय के करीब बुलाया। यहां उसने लड़की से अश्लील बातें की। पीड़िता ने विरोध किया तो मॉर्फ वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे धमकाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने पीड़िता के आगे शर्त रखी कि उससे पीछा छुड़ाना है तो पचास हजार रुपए देने होगों, इससे परेशान होकर लड़की थाने पहुंची और केस दर्ज करा दिया।

साइबर जालसाजों ने भोपाल की महिला क्लर्क को चपत लगाई

लिंक भेजकर खाते से उड़ाए 40 हजार रुपए, एफआईआर

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में साइबर जालसाजों ने एक महिला क्लर्क को 40 हजार रुपए की चपत लगा दी। आरोपियों ने महिला के मोबाइल पर लिंक भेजा था। जिस पर क्लिक करते ही उसके खाते से हजारों रुपए कट गए। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

एमपी नगर पुलिस के मुताबिक कोलार में रहने वाली प्रसामा चौरसिया जिला अदालत में लिपित के पद पदस्थ हैं। 2023 को ड्यूटी के दौरान उनके मोबाइल पर बिग बॉस्केट नाम से लिंक आया था, जिसमें कई तरह के ऑफर दिखाए गए थे। लिंक को खोलते ही उनके खाते से तीन अलग-अलग किस्तों में करीब 40 हजार रुपए उनके बैंक खाते से गायब हो गए।

इस मामले की शिकायत महिला ने साइबर सेल में की थी। जहां से क्राइम ब्रांच ने जीरो पर केस दर्ज कर डायरी एमपी नगर थाना पुलिस को भेज दी। पुलिस का कहना है कि अब आरोपियों को पकड़ने के लिए साइबर सेल की मद्द ली जा रही है। तकनीकी जांच के सहारे आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

10-15 दिन में घोषित होगी एमपी कांग्रेस की नई कार्यकारिणी

प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा- प्रक्रिया शुरू हो गई है, फिर बनेंगे जनता की आवाज

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा कि एमपी कांग्रेस की नई कार्यकारिणी 10 से 15 दिन में बन जाएगी। इस पर तेजी से काम किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश के अंदर नए जज्बे के साथ मजबूती के साथ जनता की आवाज बनकर उभरेगी।

उन्होंने कहा कि कल पहले चरण के मंथन का कार्यक्रम था। उसमें 13 से 14 घंटे चर्चा हुई है। सभी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों से और एमएलए से बहुत सारे नए आइडिया आए हैं। उन पर किस तरीके से कार्ययोजना बनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि 29 की 29 सीट हारने के बाद भीतरघात करने वाले लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। इसका समय होता है। वह डिस्प्ले कमेटी करती है। मैं एक बात जरूर कह सकता हूं कि उन्होंने राहुल गांधी के बयान- अयोध्या के जैसे गुजरात में हराएंगे और भाजपा नेताओं के पलटवार पर कहा कि भाजपा विचलित हो चुकी है एक्सपोज हो चुकी है। वह समय बहुत जल्दी आने वाला है जब उन्हें पूरे देश में हार का सामना करना पड़ेगा। चुनाव में हार के बाद कांग्रेस अब एमपी में संगठनात्मक मजबूती के लिए काम करेगी। इसके लिए शनिवार को दिन भर संभागवार विधानसभा प्रत्याशियों की बैठक कर हार के कारण जानने के बाद आज लोकसभा चुनाव हारे प्रत्याशियों के साथ बैठक हो रही है।

बैठक में ये नेता मौजूद

बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय, सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, कांतिलाल भूरिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया, डॉ. गोविंद सिंह, सीडब्लूसी मेंबर कमलेश्वर पटेल, ओमकार मरकाम, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

वीडी शर्मा बोले-7 विधानसभा ऐसी जो लोकसभा में हार गए

भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक ; 29 सांसदों का हुआ सम्मान

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रवींद्र भवन में भाजपा प्रदेश कार्य समिति की बैठक हो रही है। इस दौरान प्रदेश के सभी 29 सांसदों का अभिनंदन किया गया। बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 80.56 प्रतिशत बूथ पर जीत का रिकार्ड बनाया है। जो 20 प्रतिशत बचे हैं उन पर जीत का संकल्प लेकर कार्य समिति से जाना है।

7 विधानसभा ऐसी हैं जो विधानसभा में जीते लेकिन लोकसभा में हार गए हैं। इसकी समीक्षा करने की जरूरत है। विंध्य में सिर्फ एक सीट हारे पर बीजेपी का एक प्रतिशत वोट शेयर कम हुआ है। उज्जैन में भी वोट शेयर कम रहा है। इसकी भी समीक्षा करनी होगी।

शर्मा ने कहा कि हर बूथ के एक-एक कार्यकर्ता ने मेरा बूथ सबसे मजबूत बनाने का काम किया है। सभी ने संकल्प लिया था कि 29 की 29 सीटें जीतेंगे और बूथ कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत रिकॉर्ड बना है। केंद्र सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों से जो लगातार संवाद किए वह हमारी ताकत बने। एमपी सरकार की योजनाओं ने भी इसमें योगदान दिया। इन योजनाओं की ताकत को जमीन पर उतारने का काम बूथ और मंडल के कार्यकर्ताओं ने किया है।

कपट, छल और झूठ की राजनीति करने वाली कांग्रेस ने सारे हथकंडे अपना लिए लेकिन बीजेपी के बूथों पर काम करने वाले 41 लाख कार्यकर्ताओं ने अपनी ताकत से कांग्रेस के मंसूबों पर पानी फेर दिया। पन्ना प्रमुख के रूप में 27 लाख कार्यकर्ताओं ने भी अपनी पूरी ताकत चुनाव में लगाई जिसके बाद यह जीत मिली है।

अहंकार वाली कांग्रेस एमपी में खाता तक नहीं खोल सकी: केंद्रीय मंत्री सिंधिया- कार्यसमिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा- जहां धर्म होता है वहीं जीत हासिल होती है। लोकतंत्र में मिली यह जीत सत्य और अहंकार के बीच की लड़ाई की थी। यह जीत नकारात्मक तत्वों के विरोध की रही है। अहंकार वाली कांग्रेस पार्टी का एमपी में खाता तक नहीं खुला है। 75 साल में पहली बार ऐसी सरकार आई है जिसने एक-एक लाभार्थी को उसका हक दिलाने का काम किया है। सिंधिया ने कहा है कि देश में अगर कोई गारंटी है तो वह मोदी की गारंटी है और मोदी ने जो कहा उसे पूरा करने की गारंटी है। ठगबंधन के कुछ लोगों की आदत भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की है। कुछ लोग आजकल बहुत फुदक रहे हैं, पर उनसे कहता हूं कि 2014, 2019 और 2024 के तीन चुनाव के आंकड़ों को जोड़ने के बाद भी 2024 की बीजेपी की 239 सीटों तक कांग्रेस के लोग नहीं पहुंच सकते। ये जीत सकारात्मक सोच की है, जो नकारात्मक सोच पर मिली है। अब पॉलिटिक्स परफॉर्मेंस का समय आ गया है। अमृतकाल से शताब्दी काल के लिए पूरी ताकत सभी को लगानी होगी। बैठक में दिवंगत वरिष्ठ नेताओं के चित्र पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पुष्पांजलि अर्पित की।

महिलाओं को संगठन में महत्व देना होगा: केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

कार्यसमिति की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा- लाभार्थियों वर्ग बीजेपी की बड़ी ताकत बनने लगा है। चुनाव में देखा कि नकारात्मकता में समाज को बांटने की कोशिश की गई है। विपक्ष कितनी भी नकारात्मकता की राजनीति करे, उससे पार पाने के लिए काम करना है। आने वाले समय में राजनीति में महिलाओं की बड़ी भूमिका रहने वाली हैं। इसलिए संगठन में महिलाओं को महत्व देना होगा। एमपी की कार्यकारिणी से कहना चाहता हूं कि बड़े लक्ष्य के लिए कैपिसिटी बिल्डिंग का काम करना होगा। बीजेपी का लक्ष्य 2047 के विकसित भारत को बनाने का है। पीएम नरेंद्र मोदी के पंच प्रण का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि विकास के वातावरण में प्रकृति के संरक्षण को भूलने लगे हैं। कॉन्क्रीट के जंगल बना रहे लेकिन प्रकृति के जंगल काट रहे हैं। इसे ध्यान रखते हुए प्रकृति संरक्षण का काम करना है। इंदौर में 51 लाख पौधे लगाने की सराहना करते हुए यादव ने कहा कि नागरिक कर्तव्य के रूप में यह जिम्मेदारी निभाएं। नए जुड़ने वाले लोगों का स्वागत करना चाहिए और प्रशिक्षण के साथ सबको जोड़ना चाहिए।

मोदी सरकार की सत्ता में वापसी पर प्रस्ताव: सांसद कविता पाटीदार

बैठक से पहले सांसद कविता पाटीदार ने मोदी सरकार की तीसरी बार सत्ता में वापसी होने पर प्रस्ताव रखा। जिसका समर्थन डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने किया। इसके बाद पूर्व मंत्री और विधायक अर्चना चिटनिस ने रवींद्र भवन में पत्रकारों से चर्चा की। कहा- प्रस्ताव में बताया कि गरीब, युवा, महिला, किसान की सेवा करने में बीजेपी ने कीर्तिमान स्थापित किया है। जिसके बदले यह सफलता मिली है। जिन्होंने 90 बार संविधान तोड़ा वे संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमते रहे। कार्य समिति की बैठक में मोदी सरकार के कामों को बताया गया। कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सत्ता में वापसी का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव कार्य समिति की बैठक में रखा। तीसरे टर्म में बीजेपी की मोदी सरकार नया इतिहास रचेगी। बीजेपी का लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन रहा है। केरल जैसे राज्य में बीजेपी को जीत मिली है। तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बनने के बाद बीजेपी का जनाधार और अधिक बढ़ा है।

मंडल अध्यक्ष पहली बार शामिल हुए

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पहली बार प्रदेश के 1099 मंडलों के अध्यक्ष शामिल हुए। उनके अलावा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्य, सभी विधायक, पार्टी के महापौर, सभी जिलों के अध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला महामंत्री, मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी, प्रकोष्ठों के संयोजक, विभाग संयोजक, जिला पंचायत अध्यक्ष, मीडिया प्रभारी, सह प्रभारी एवं प्रवक्ता, प्रदेश आईटी व सोशल मीडिया संयोजक, सह संयोजक बैठक में भाग ले रहे हैं।

भिंड में दो मकान गिरे, बच्ची समेत पांच घायल

ग्वालियर में बारिश से सड़क धंसी, बड़वानी में धुंध; मुरैना में घरों में पानी भरा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर, भिंड, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में आज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। ग्वालियर में सुबह से बारिश जारी है। यहां निचले इलाकों में पानी भरने लगा है। रामाजी का पुरा में शनिवार सुबह करीब 11 बजे सड़क धंस गई। यहां बारिश का पानी जमा था।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया, ग्वालियर-चंबल और प्रदेश के अन्य हिस्सों से दो ट्रफ लाइन गुजर रही है। वहीं, उत्तर प्रदेश के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इनकी वजह से प्रदेश में आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। कई जिलों में 11 जुलाई तक भारी बारिश होगी।

मुरैना के जौरा में सड़कों पर पानी भरने से लोग परेशान- मुरैना के जौरा में बाजारों की सड़कें पानी से लबालब भरी गईं। लोगों का कहना है कि बारिश का पानी 5 बीघा क्षेत्र से बहकर आया है। गंदे पानी में से आना-जाना करना पड़ रहा है।

गोहद में विधायक और कलेक्टर ने किया निरीक्षण- भिंड के गोहद में विधायक केशव देसाई, कलेक्टर भिंड संजीव श्रीवास्तव और एसडीएम पराग जैन हालात जानने पहुंचे। यहां ग्रामीणों से बात कर क्षेत्र का जायजा लिया।

मुरैना के जौरा में पानी भरा- मुरैना के जौरा में रविवार सुबह हुई भारी बारिश से नाले उफान पर आ गए। यहां निचली बस्तियों में घुटनों तक पानी भर गया।

भिंड के गोहद में मकान गिरने से बच्ची समेत पांच घायल

भिंड के गोहद में कई कच्चे मकान गिर गए। ब्रह्मपुरी में दो कच्चे मकान गिर जाने से एक बच्ची समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया है। भिंड के गोहद के हड़ियापुरा में कई कच्चे मकान गिर गए। यहां भरा हुआ पानी उतर रहा है। ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी ग्वालियर से बहकर यहां आ रहा है।

भिंड के गोहद में सड़क धंसी

भिंड के गोहद में शनिवार को हुई भारी बारिश से कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है। यहां मुख्य मार्ग की सड़क धंस गई।

बालाघाट में सुबह से पानी गिर रहा

बालाघाट में सुबह से बारिश का दौर जारी है। जिले में पूरे सीजन में अब तक 8 इंच से ज्यादा बारिश हो गई है।

बड़वानी के सेंधवा में छाई धुंध

बड़वानी जिले के सेंधवा में बारिश से धुंध छा गई है। यहां रिमझिम बारिश के बीच मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे के बिजासन घाट पर सुबह से ही मौसम में सुहाना हो गया है।

ग्वालियर में सड़क धंसी

ग्वालियर के रामाजी का पुरा में शनिवार सुबह करीब 11 बजे सड़क धंस गई। यहां बारिश का पानी जमा हो गया था। सड़क का मलबा, नीचे की ओर बने मकान पर जा गिरा। हादसे के दौरान वहां कोई मौजूद नहीं था, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई है।

भोपाल के दो तस्करों से 13 किलो गांजा जब्त

आंध्र प्रदेश से कम दामों में लाते थे गांजा, फुटकर कारोबारियों को तीन गुने दाम में बेचते थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल की क्राइम ब्रांच ने ऐयरो सिटी रोड गांधी नगर से दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो लाख रुपए कीमत का 13.300 किलो ग्राम गांजा बरामद किया गया है। दोनों ने आंध्र प्रदेश से सड़क मार्ग के रास्ते गांजा भोपाल में लाने की बात स्वीकार की है।

दोनों आंध्र प्रदेश से लाए गांजे को फुटकर विक्रेताओं को तीन गुने दाम में बेचने का काम करते थे। ग्राहकों के इन्तजार में ऐयरो सिटी रोड पहुंचे और पुलिस हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम शेलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर शनिवार की रात को ऐयरो सिटी रोड ब्रिज के नीचे

गांधी नगर में दो युवकों की घेराबंदी की थी। दोनों को हिरासत में लेकर उनके पास मौजूद झोलों की तलाशी ली गई। जिसमें पॉलीथिन में रखे गांजे के पैकेट मिले। करीब 14 पैकेट में 13.300 किलोग्राम गांजा मिला है।

आरोपियों पर पूर्व में हैं अपराध दर्ज

आरोपियों की पहचान फैज मोहम्मद पिता जमील अहमद (21) निवासी म.न. 17 गली नंवर 21 आरिफ नगर गौतम नगर और संजना ठाकुर पत्नी गुज्जर पवार (20) निवासी ग्राम जमनी टोला तहसील सुहागपुर जिला नर्मदापुरम के रूप में की गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट सहित अन्य अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

सड़क के रास्ते गांजा ले आए आरोपी

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह सड़क मार्ग के रास्ते अलग-अलग बस में सवार होकर आंध्र प्रदेश से भोपाल तक पहुंचे थे। वहां से गांजा कम दामों में लाकर भोपाल के फुटकर तस्करों को ज्यादा दामों में खपाने वाले थे। पकड़े न जाए इसके लिए एकांत में डिलवेरी देने के लिए ग्राहकों को ऐयरो सिटी रोड बुलाया। हालांकि इससे पहले ही पकड़े गए।

संपादकीय

स्टार्मर और भारत से रिश्ते

जो भारत में नरेन्द्र मोदी और भाजपा लोकसभा चुनाव में नहीं कर पाए वो ब्रिटेन के आम चुनावों में लेबर पार्टी के नेता कीएर स्टार्मर ने कर दिखाया। स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने ब्रिटिश संसद की 650 में से 412 सीटें जीत कर बंपर विजय हासिल की और 'चार सौ पार का नारा' हकीकत में बदल कर दिखाया। पूर्व में सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी को महज 121 सीटें मिली। चुनाव परिणाम आते ही भारतीय मूल के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने न केवल पद से इस्तीफा दिया बल्कि कुछ घंटों के अंदर ही पीएम का अधिकृत टेन डाउनिंग स्ट्रीट भी खाली कर दिया। ब्रिटेन के चुनाव नतीजों का राजनीतिक विश्लेषक विश्लेषण कर रहे हैं। लेकिन पहला सवाल यह है कि स्टार्मर के पीएम बनने के बाद ब्रिटेन के भारत के साथ रिश्ते कैसे होंगे और दूसरा, पौने दो साल तक पहले एशियाई मूल के प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने के बाद ऋषि सुनक अब क्या करेंगे? ऋषि सुनक को कंजरवेटिव पार्टी ने पीएम इसलिए बनाया था क्योंकि वे ब्रिटेन की आर्थिक बदहाली को सुधार सकें। कुछ मूलभूत बदलाव कर सकें। लेकिन सुनक तमाम कोशिशों के बाद भी वह सब करने में असफल रहे, जिस कारण से ब्रिटिश मतदाताओं ने उन्हें और उनकी सरकार को नकार दिया। भारत के संदर्भ में बात करें तो भारतवंशी होने तथा भारतीय उद्योगपति नारायण मूर्ति के दामाद और खुद बड़े व्यवसायी होने के बाद भी सुनक के नेतृत्व में भारत ब्रिटेन रिश्तों में कोई खास गर्माहट नहीं देखने को मिली। यहां तक कि बतौर पीएम अपने कार्यकाल में वो भारत भी नहीं आए। सुनक के प्रयासों में ईमानदारी की कमी थी, ऐसा नहीं कहा जा सकता, लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया। वैसे भी वो पार्टी द्वारा मनोनीत प्रधानमंत्री थे। लेकिन सुनक ने पहले भारतवंशी और हिंदू पीएम होने का जो रिकॉर्ड बनाया है, वो हमेशा कायम रहेगा। अब यह सवाल स्टार्मर के नेतृत्व में ब्रिटेन के भारत के साथ रिश्तों का है तो उनकी लेबर पार्टी की भारत के संदर्भ में जो भी सोचती रही हो, लेकिन स्टार्मर सभी बातों को व्यावहारिक ढंग से देखेंगे, इसके संकेत उन्होंने काफी पहले ही दे दिए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि स्टार्मर की अगुवाई में भारत ब्रिटेन सम्बंध और बेहतर हो सकते हैं। एक मध्यमवर्गीय परिवार से आए स्टार्मर के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने कंजरवेटिव पार्टी को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। कश्मीर के मामले में भी स्टार्मर का रूख भारत के अनुकूल रहा है। इसके अलावा ब्रिटेन में रह रहे भारत विरोधी तत्वों पर स्टार्मर कैसे नकेल डालते हैं,यह देखना होगा। एक और अहम मुद्दा भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते का है। सालों से लंबित इस मुद्दे को स्टार्मर जल्द अंजाम तक पहुंचाएंगे, ऐसी आशा की जा रही है। इसी के साथ भारतीय सेवा कर्मचारियों और छात्रों के लिए अस्थायी कार्य वीजा एक प्रमुख मुद्दा रहा है। इसी तरह ब्रिटेन के चीन के साथ आगे कैसे रिश्ते रहते हैं, यह भी महत्वपूर्ण होगा। लेकिन स्टार्मर के सामने पहली बड़ी चुनौती तो यूरोपीय यूनियन से एग्जिट के बाद आर्थिक बदहाली को सुधारना है। माना जा रहा है कि वामपंथी झुकाव होने के कारण स्टार्मर ऐसी नीतियों को प्राथमिकता देंगे, जो आम ब्रिटिश को राहत दे। वैसे स्टार्मर को जो बंपर बहुमत मिला है, उसे देखते हुए ये सरकार मजबूती से चलेगी, ऐसा माना जा सकता है। इसके अलावा ब्रिटिश संसद में इस बार भारतीय मूल के 25 सांसद जीत कर आए हैं, लिहाजा भारतवंशियों को ब्रिटेन में और ज्यादा महत्व मिलेगा,यह अपेक्षा स्वाभाविक है।

नजरिया

-रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

समाज को जोड़ने के लिए है राजनीति

देश के सभी इलाकों में अपराधों की घटनायें बढ़ रही और आये दिन समाचार पत्रों में नये-नये प्रकार के अपराधों के विवरण पढ़ने को मिलते हैं। जहां एक तरफ़ सायबर क्राईम तेजी से बढ़ रहा है वहीं तेजी से एआई तकनीक का दुरुपयोग व उसके माध्यम से कई प्रकार के अपराध बढ़े हैं। कुछ दिनों से विशेषकर चुनावों के बीच में अनेकों बार ऐसे वीडियो सामने आये जो पुराने थे परन्तु उन्हें नया बनाकर डाल दिया गया। कई ऐसे भी वीडियो सामने आये जिनमें जो व्यक्ति बोल रहा, वही गलत है। यानि किसी भी व्यक्ति के चेहरे और मुंह से ऐसी बात कहलवाई जा सकती है जो उसने कभी नहीं कही। इस एआई के दुरुपयोग की संभावनायें बहुत व्यापक भयावह है। अगर किसी देश के मुखिया के नाम से इस एआई तकनीक के द्वारा कोई ऐसी बात कहलवा दी जाये भले ही खतरनाक न हो परन्तु वह चंद क्षणों में देश व दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच जायेगी। यह युद्ध और उससे भी आगे अणु परमाणु की घटनाओं तक भी जा सकता है। जब तक इसकी जाँच होगी तब तक तो पता नहीं कहां तक घटनायें पहुँच चुकी होंगी। इन फेक न्यूज की जाँच के लिये कुछ उपाय शुरू किये गये हैं पर वे उपाय भी अपूर्ण पाये गये और अब डीप फेक न्यूज के नाम से एक नई जाँच विधि शुरू की गई है परन्तु वह भी बहुत कारगर नजर नहीं आती।

समूचे देश में हिंसा और नारी हिंसा के अपराध भी तेजी से बढ़े हैं। कई बार लगता है कि इंसान पशुवत बन रहा है। और किसी भी सीमा तक आपराधिक मामलों में जा सकता है। निर्भया का मामला दिल्ली में हुआ था उसकी व्यापक प्रतिक्रिया देश में हुई थी और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार नारी सुरक्षा के लिये कुछ कानून व व्यवस्थायें बनाई गईं। परन्तु ये सब भी अपर्याप्त सिद्ध हो रही और आये दिन देश के किसी न किसी हिस्से में निर्भया जैसे कांड हो रहे हैं। निर्भया कांड के बाद पीड़ित महिला के लिये केंद्र और राज्य सरकारों में पृथक बजट भी रखा गया परन्तु यह सब भी केवल औपचारिकता सिद्ध हुई है। दिल्ली में स्वाति मालिवाल के साथ हुई घटना काफी चर्चित हुई है और अब मामला न्यायालय के पास विचाराधीन है। पिछले दिनों आंध्र और महाराष्ट्र में भी महिलाओं के साथ ज्यादती और अन्याय की अनेकों घटनायें हुई हैं। मप्र भी इससे अछूता नहीं है। मप्र के भिण्ड जिले के मालनपुर में एक महिला जो अपने घर में अकेली थी, उसके घर में एक शराब के नशे में दिनदहाड़े अपराधी घुस गया वह बेचारी पलंग के नीचे छिपी, परन्तु उस अपराधी ने खींचकर उसे निकाला, मारना शुरू किया व उसके साथ बलात्कार किया। वह बेचारी चिल्लाई और अपने पड़ोसी को आवाज देकर बुलाया परन्तु उन पड़ोसी अंकल ने बचाने की जगह घर की कुंडी बंद कर दी। इससे बड़ी अमानवीय बात क्या होगी। इसी प्रकार अशोकनगर में अपराधियों ने शादी के सवाल को लेकर हथियारों की दम पर घर से घसीटकर मारते हुये लड़की को ले जाने का प्रयास किया। पर बाद में जब कुछ ज्यादा लोग इकट्ठे हुये तब उन्होंने अपराधियों को रोकने व पकड़ने का प्रयास किया। अपराधी फायरिंग करते हुये भाग गये व लड़की बच गई और बाद में पुलिस ने उन अपराधियों को गिरफ्तार किया।

मप्र के सागर जिले के बरौदिया नैनागिर गाँव में दो गुटों में आपसी झगड़ा हुआ यद्यपि मूलतः दोनों ही अनुसूचित जाति के थे। एक तरफराजेन्द्र अहिरवार व उनका परिवार था व दूसरी तरफ पप्पू रजक का परिवार था। बताया जाता है कि राजेन्द्र अहिरवार अपने कुछ लोगों के साथ पप्पू रजक के घर गया था और पप्पू रजक पर हमला किया। पप्पू रजक के परिवार के लोग इकट्ठे हुये और उन्होंने राजेन्द्र अहिरवार के ऊपर हमला किया जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना अगस्त 2023 में हुई थी और उसका कारण बताया जाता है कि राजेन्द्र अहिरवार की बहिन के साथ छेड़छाड़की घटना हुई थी जिस कारण से इस विवाद की शुरुआत हुई। वर्ष 2019 में अंजना अहिरवार ने आरोपियों के खिलाफमुकदमा लिखाया था तथा पुलिस ने रपट दर्ज कर मारपीट व एससी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था तथा अपराधी पक्ष राजीनामा के लिये दबाव बना रहा था। इसी तनाव के चलते अगस्त 2023 में अंजना के छोटे भाई की हत्या हो गई और अनेक लोगों ने घुसकर अंजना के घर में मारपीट आदि की। इस पर से 13 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था तथा सभी 13 लोग नामजद थे उसमें से 12 लोग जेल में थे तथा एक जमानत पर था। अहिरवार की हत्या के बाद मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह बरौदिया नैनागिर गाँव गये थे और उन्होंने बहुत भावनापूर्ण ढंग से अंजना अहिरवार को अपनी बहिन बनाया था व उससे राखी बंधवाई थी तथा मई 2024 में जब अंजना अहिरवार की मृत्यु एंबुलेंस से गिरकर हुई तब पुनः श्री दिग्विजय सिंह उस गाँव पहुंचे और उन्होंने अपने बयान में प्रशासन से निराशा व्यक्त करते हुये कार्यवाही की मांग की। हालांकि यह भी विचित्र है कि अगस्त 2023 से मई 2024 के बीच उन्होंने या कांग्रेस पार्टी ने इस घटना को विधानसभा, संसद या किसी अन्य स्तर पर नहीं उठाया। श्री दिग्विजय सिंह के जाने के बाद अगले दिन कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बरौदिया नैनागिर पहुँचे, पत्रकार वार्ता की, पीड़ित परिवार को कांग्रेस पार्टी की ओर से कुछ राशि भी दी और अंजना की माँ से श्री राहुल गाँधी की बात कराई। उन्होंने भी इस घटना को कांग्रेस पार्टी की ओर से लड़ने की बात कही। स्वाभाविक था कि जब विरोधी राजनैतिक पार्टी ने प्रदेश व केन्द्र के स्तर पर इसे मुद्दा बनाया तो अगले दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुँचे। उन्होंने सरकार की ओर से निर्धारित मदद की राशि देने की घोषणा की और यह भी कहा कि बरौदिया नैनागिर में पुलिस चौकी खोली जायेगी। बरौदिया नैनागिर में दो समूह बन गये हैं जिसमें कई घोषित अपराधी हैं वह लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते रहते हैं। कांग्रेस के कुछ सूत्रों का कहना है कि श्री दिग्विजय सिंह की यात्रा और पहल के प्रभाव को कम करने के लिये ठीक अगले दिन पंजाब से चलकर प्रदेश अध्यक्ष श्री पटवारी बरौदिया नैनागिर पहुँचे थे, इसकी सच्चाई तो कांग्रेस ही बता सकती है। इसके कुछ ही दिन बाद मप्र के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के श्री धीरेन्द्र शास्त्री के भाई के द्वारा उनके गुढा गाँव के एक तिवारी परिवार के पुरुष व महिलाओं को धमकाने व मारपीट की सूचना अखबारों में आई। श्री धीरेन्द्र शास्त्री के भाई श्री शालिगराम गर्ग के अपराध की यह पहली घटना नहीं है। बल्कि पहले भी ऐसी आपराधिक घटनाओं को वहअंजाम दे चुके हैं और उनके खिलाफछतरपुर के बमीठा गाँव में कई रिपोर्ट दर्ज हैं। परन्तु यह आश्चर्यजनक है कि उन्हें या तो पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया या फिर बड़ी आसानी से स्थानीय अदालत से जमानत दिला दी। यह श्री धीरेन्द्र शास्त्री की धार्मिक महिमा है या उनके हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा का एक स्वरूप है यह तो वही बता सकते हैं परन्तु यह अवश्य तथ्य है कि, उन्होंने किसी भी घटनाओं पर कभी भी न अपने भाई की निंदा की और न प्रशासन से कार्यवाही की बात की। इस बार अवश्य जब मैंने एक बयान देकर उनकी भूमिका पर सवाल उठाया तब उन्होंने एक दिन बाद अपनी प्रतिक्रिया व खेद व्यक्त किया। हाँलाकि सीधे श्री धीरेन्द्र शास्त्री भी अनेकों विवाद में घिरे रहे हैं, कुछ समय पहले उन्होंने एक पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को जाति सूचक शब्द कहे थे व भरी सभा में मुर्गा बनाया था। अभी 3 जून को जबलपुर एक्सप्रेस में पं धीरेन्द्र शास्त्री का एक आडियो वायरल हुआ है वह किसी से कह रहे हैं कि शुक्ला जी से कहना कि घर से नहीं निकल पाओगे। हम कल ही इन्हें ठोक देंगे, पूरी राजनीति खत्म कर देंगे, कहियो नहीं तो नगड़िया बजा देंगे। इस आडियो की जांच अभी तक किसी ने नहीं की। और इसी प्रकार धीरेन्द्र शास्त्री के नजदीकी लोगों द्वारा लोगों को धमकाना, पैसा मांगने की घटनायें मीडिया में आई हैं। उनके एक भाई ने तो किसी व्यक्ति से पूजा के नाम पर पैसा भी ले लिया।

उपयुक्त सारी घटनायें जहां एक तरफपुलिस की कमजोरी व राजनैतिक दबाव में अपने कर्तव्य को पूरा नहीं करने के उदाहरण हैं वहीं दूसरी तरफ समाज के कमजोर होने व अपराधों में मूक संलिप्तता के भी उदाहरण हैं। पुलिस सत्ता व राजनीति के दबाव में रहती है और सरकारें वोट व अपने दलों के नेताओं के दबाव में रहते हैं। मुख्यमंत्री ने बरौदिया नैनागिर में चल रहे समूह संघर्ष को रोकने के लिये गाँव में पुलिस चौकी खोलने का निर्णय किया। परन्तु जितनी घटनायें घट रही हैं उनमें कहां-कहां पुलिस चौकी खोली जायेंगी। क्या हर गाँव, मुहल्ले में पुलिस चौकी खोली जायेगी यह भी विचारणीय प्रश्न है?

आखिर हमारा समाज इतना कायर, अपराधों को संरक्षण देने वाला अपराधी मानस का क्यों हो रहा है? अगर बरौदिया नैनागिर में ग्राम समाज के लोगों ने मिलकर अपराध व हमलों की घटनाओं को ताकत से रोकने का प्रयास किया होता तो क्या यह गैंगवार संभव था। इसी प्रकार मालनपुर, अशोकनगर और अन्य स्थानों पर अगर समाज ने तत्काल सामूहिक प्रतिक्रिया व्यक्त की होती तब भी ऐसी घटनाओं पर रोक लग सकती थी। परन्तु समाज का व्यवहार स्वतः असामाजिक है। पिछले दिनों सीधी जिले में पेशाब कांड हुआ था। उसमें एक भाजपा के नेता ने शराब के नशे में आदिवासी के ऊपर पेशाब की थी। परन्तु दुख तब हुआ जब अपराधी के जाति के लोगों ने जाति के आधार पर अपराधी को बचाने व परिवार की मदद के लिये लाखों रुपये इकट्ठे किये थे। क्या यह सामाजिक अपराध व पतन नहीं है? अभी इसी सीधी जिले में आवाज बदलकर बच्चियों को बुलाकर उनके साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया। राज्य सरकार ने जांच के लिये एसआईटी गठित की है। परन्तु समाज इस पर मौन है। क्या समाज के लोगों को इस पर अपनी प्रतिकिया नहीं व्यक्त करना चाहिये? क्या अपराध केवल पुलिस प्रशासन या सरकार रोक सकती है?

मुझे लगता है कि सरकारें कितनी ही सख्त हों परंतु अब बीमारी इतनी व्यापक हो चुकी हैं कि समाज को भी आगे आकर अपनी जीवंत भूमिका निभाना चाहिये, वर्ना स्थितियाँ नियंत्रण के बाहर होंगी। श्री दिग्विजय सिंह, जीतू पटवारी, मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव और अब दलित नेता चंद्रशेखर भीम भी बड़ौदिया नैनागिर के तीर्थ यात्रा पर पहुंचे हैं। यह राजनैतिक कर्म है कि ऐसी घटनाओं को उजागर किया जाये परन्तु क्या राजनीति का यह दायित्व नहीं है कि ऐसी घटनाओं को रोका जाये और समाज में राजनैतिक लक्ष्य के लिये विवाद न फैलाया जाये। राजनीति समाज को बनाने के लिये है न कि तोड़ने के लिये। परन्तु आजकल राजनीति केवल अपने वोट के लिये समाज को खण्ड-खण्ड में बाँटने को तैयार है। राजनैतिक दलों को भी अपनी भूमिका पर पुनः विचार करना चाहिये।

मुद्दा

आर.के. सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

आप कब शुरू करेंगे छोटे और मोटे अनाज का भोजन

कुछ ही दिन पहले हिन्द महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के त्रिवेणी संगम पर स्थित कन्याकुमारी के स्वामी विवेकानंद परिसर के विशाल सभागार में आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित 'इंटरनेशनल आयुष समिट' का तीन दिवसीय आयोजन हुआ था, जिसका 'की नोट स्पीच' मैंने दिया था और समारोह का उद्घाटन केरल के माननीय राज्यपाल आरिफ मोहमम्द खान साहब ने किया।

मेरा पूरा व्याख्यान रोगों से बचाव में छोटे और मोटे अनाज यानि मिलेट्स की उपयोगिता को लेकर ही था। मैंने उपस्थित सैकड़ों डॉक्टरों और विभिन्न मेडिकल कॉलेज के छात्रों से यही कहा कि आप अच्छे डॉक्टर मात्र बड़ी कम्पनियों की अच्छी और महंगी दवाइयां लिखने भर से नहीं कहे जायेंगे, बल्कि, अच्छे डॉक्टर बनने के लिए आपको अपने मरीजों को यह भी बताना होगा कि वे जिस रोग से ग्रसित हैं, वे रोग उन्हें हुये क्यों और उससे बचा कैसे जा सकता है। यदि डॉक्टर रोगों की प्रतिरोधक क्षमता तैयार करने वाले छोटे और मोटे अनाजों के गुणों को ठीक से समझ लें तो उनका, उनके मरीजों का और पूरे समाज को भारी फायदा होगा।

छोटे और मोटे अनाज सिर्फ प्रोटीन और फाइबर ही नहीं देते बल्कि, खाने वाले को शरीर में उत्पन्न हो रहे रोगों का निदान भी करते हैं क्योंकि, मोटे और खासकर छोटे अनाज के फाइबर (रेशे) मानव शरीर की सभी प्रमुख अंगों के कोशिकाओं या सेल्स को साफ भी करते हैं। यदि आप हाल के दिनों में दिल्ली गए हों तो देखेंगे कि राजधानी दिल्ली में भारत सरकार के बहुत से बड़े-बड़े दफ्तर निर्माण भवन,शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन आदि भवनों से चलते हैं। जाहिर है, जहां पर हजारों मुलाजिम काम करेंगे और रोज़ सैकड़ों बाहरी लोगों का भी आना-जाना लगा रहेगा, वहां पर कैंटीन तो होगी ही। पर निर्माण भवन की कैंटीन ने अपने को बदला है। वहां पर अब मोटे और छोटे अनाज से तैयार होने वाले पकवान भी परोसी जाने लगी हैं। हालांकि पिछले सात दशकों से यहाँ मात्र गेहूं और मैदे की बनी पकवानें ही मिला करतीथीं।

यह एक तरह से यह वर्तमान मोदी सरकार की संकल्प शक्ति और दृढ़ इच्छा का ठोस संकेत है कि चालू वर्ष 2023 को चूँकि विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया गया जिसने मोटे और छोटे अनाज के प्रति जागृति पैदा की। अतः खान-पान में एक व्यावहारिक बदलाव की शुरुआत हुई और कोशिश यही रही कि अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष नाम भर का नहीं रह जाये। इसका प्रस्ताव भारत नेही दिया था और भारत के इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 मार्च 2021 को अपनी स्वीकृति दे दी थी। इसका उद्देश्य विश्व स्तर पर मोटे और छोटे अनाज के उत्पादन और खपत के प्रति जागरूकता पैदा करना ही था।

दरअसल मोटे और छोटे अनाजों में पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। बीटा-कैरोटीन, नाइयासिन, विटामिन-बी6, फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, जस्ताआदि से भरपूर इन अनाजों को सुपरफूड भी कहा जाता है। ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), मक्का, जौ, कोदो, सामा, सांवा, कंगनी, कुटकी चीना आदि जिसे लघु घान्य या 'श्री धान्य' या 'श्री अन्न' भी कहा जाता है, मोटे और छोटे अनाज की श्रेणी में आते हैं। लघु धान्य या कुटकी, कांगनी और साँवा जैसेअनाज मिलेट्स यानी छोटे अनाज होते हैं। इनका सेवन करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है, कैल्शियम की कमी से बचाव होता है, ज्यादा फाइबर होने से पाचन दुरुस्त रहता है,वजन कंट्रोल होने लगताहै, दुबले-पतलों का वजन कुछ बढ़ जाता है तो ज्यादा वजन वालों का घट कर बी.एम.आई. (बॉडी मास इंडेक्स) के स्तर पर घट जाता है ढ्ढ एनीमिया का खतरा कम होता है, यह डायबिटीज तथा दिल के रोगियों के लिए भी यह उत्तम माना जाता है।

जब इन दोनों रोगों की चपेट में लगातार लोग आ रहे हैं तब छोटे और मोटे अनाज कासेवन संजीवनी बूटी का काम कर सकता है। शादियों के सीजन में तो हर रोज भारी संख्या में विवाह हो रहे हैं। आपको भी विवाह समारोहों में भाग लेने के निमंत्रण मिल ही रहे होंगे। अगर विवाह के कार्यक्रमों में भी छोटे और मोटे अनाज से तैयार कुछ व्यंजन अतिथियों को परोसे जाएं, तोयह एक शानदार पहल होगी। आखिर हम कब तक वही खाएंगे, जो खाते चले आ रहे हैं और बीमार पड़ते चले जा रहे हैं। आज विश्व भर में सारी बीमारियों की जड़ गेहूं है। मैं सलाह देता हूँ कि पाठक गूगल पर सर्च करके एक पुस्तक 'वीट बेली' यानि 'गेहूं की तोंद' नामक पुस्तक को डाउनलोड कर लें जिसने पूरे अमेरिका और यूरोप में तहलका मचाया हुआ है। 'वीट बेली' अमरीकी वैज्ञानिकों द्वारा शोध के उपरांत तैयार एक ऐसी पुस्तक है जिसमें यह सिद्ध किया गया है कि गेहूं में पाया जाने वाला 'ग्लूटेन' नाम का रसायन डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, ह्रदय रोग, मानसिक बीमारियों के साथ-साथ मोटापे की भी मुख्य वजह है। गेहूं छोड़िये और वजन घटाइए। अभी हम जिस गेहूं से पका हुआ भोजन कर रहे हैं, उससे हमारी सेहत बिगड़ रही है। देखिए अब देश वासियों को अपनी जुबान से ज्यादा अपनी सेहत पर तो ध्यान देना ही होगा। वह तब ही संभव है जब हमछोटे और मोटे अनाज को अपने भोजन का हिस्सा बनाने लगेंगे। अब इस लिहाज से देरी करने का समय नहीं रह गया है। देरी से नुकसान ही होगा। देरी छोड़िये, अपना स्वास्थ्य सुधारिये !

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चाहते हैंकि भारत छोटे और मोटे अनाज का वैश्विक केंद्र बने और छोटे और मोटे अनाज को 'जन आंदोलन' का रूप दिया जाए। बेशक, भारत दुनिया को छोटे और मोटे अनाज के लाभ बताने-समझाने में अहम भूमिका निभा रहा है। हमारे देश में एशिया का लगभग 80 प्रतिशत और विश्व का 20 प्रतिशत मोटा अनाज पैदा होता है। चूँकि, यह असिंचित भूमि पर आसानी से हो सकता है अतः यदि इसकी विश्व में मांग बढ़ेगी तो भारत में इसकी पैदावार कई गुना बढाई जा सकती है। अभी तो गरीब किसान खुद के खाने भर ही मोटे अनाज को उगाते हैं। जब उनका मोटा अनाज बाज़ार में बिकने लगेगा तो वे क्यों न अपना उत्पादन बढ़ाएंगे ? एक अनुमान के मुताबिक, 100 से अधिक देशों में मोटे अनाज की खेती होती है। आपको बुजुर्ग बता सकते हैं कि मोटा अनाज (ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), जौ, कोदों आदि) पहले खूब खाया जाता था। हम आज गेहूं के आटा के आदी हो चुके हैं या बना दिये गये हैं, तो मिलेट्स और गेहूं का आटा मिलाकर भी खा सकते हैं। अगर हम गेहूं के साथ कई तरह के अनाज या चने आदि को पिसवा लें तो मल्टिग्रेन आटा बन जाता है। जैसे गेहूं में प्रोटीन कम होता है लेकिन चने में ज्यादा। मिस्सी रोटी भी ऐसे ही तैयार होती है। वह छोटे या मोटे अनाज जैसा पुष्टिकारक तो नहीं, पर गेहूँ और चावल से बेहतर तो है ही पारंपरिक तौर पर दाल-चावल, दाल-रोटी की जोड़ी भी ऐसी है, जिसमें अलग-अलग तरह के एमिनो एसिड होते हैं जो एक-दूसरे की कमी दूर करते हैं। गेहूं की एलर्जी से बचने के लिए अनाज को बदल-बदलकर खाना चाहिए। देश के उत्तरी राज्यों में जब जाड़े का मौसम चल रहा होता तब मोटा और छोटा अनाज खाना बेहद मुफीद रहता है। ठंड के दिनों में शरीर को गर्म रखने में भोजन की अहम भूमिका रहती है। छोटा और मोटा अनाज खाने से जाड़े से बचाव होता है। इसलिए जाड़े के दिनों में छोटा और मोटा अनाज अवश्य खाना चाहिए। जैसा कि हम जानते हैं मोटे अनाज में जौ, बाजरा, मक्का मडुआ या रागी आदि शामिलहोता है। इस अनाज की तासीर गर्म होती है। ये शरीर में पहुंचकर पर्याप्त गर्माहट देते हैं।सर्दी में मोटा और छोटा अनाज खाने की सबसे बड़ी वजह यही है। इनमें कई तरह के पोषक तत्वहोते हैं जो शरीर को फायदा पहुंचाते हैं। उदाहरण के रूप में इनमें पाया जाने वाला भारी मात्रा में फायबर। यह पेट के लिए सबसे बेहतर है। छोटे और मोटे अनाज से आप दलिया, रोटी और डोसा आदि सब कुछ बना सकते हैं। बाजरे की रोटी और भात (चावल) या खिचड़ी भी खानपान में शामिल की जा सकती है।

एक बात को और जान लेना जरूरी है कि छोटे और मोटे अनाज की खेती में कम मेहनत लगती है और पानी की भी कम ही जरूरत नाम मात्र की होती है। यह ऐसा अन्न है जो बिना सिंचाई और बिना खाद और बगैर किसी कीटनाशक के पैदा किया जा सकता है। भारत की कुलकृषि योग्य भूमि में मात्र 25-30 फीसद ही सिंचित या अर्ध सिंचित है। अतः लगभग 70-80 कृषि भूमि वैसे भी धान (चावल) या गेहूं नहीं उगा सकते। चावल (धान) और गेहूं के उगाने के लिये लगभग महीने में एकबार पूरे खेत को पानी से भरकर फ्लड इरीगेशन करना पडता है। इतनापानी अब बचा ही नहीं कि पीने के पानी को बोरिंग कर पम्पों से निकाल कर खेतों को भराजा सके। धान और गेहूं में भयंकर ढंग से रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का प्रयोग करना पड़ता है, जिससे इंसानों के स्वास्थ्य पर बुरा असर तो पड़ता ही है, जमीन बंजरहोती जाती है वह अलग। यह जानना जरुरी है कि एक किलो धान उगाने में 8000 लीटर एक किलो गेहूँ उगाने में 10,000 लीटर और एक किलो चीनी बनाने में 28,000 लीटर पानी की जरुरत होती है ढ्ढ जबकि एक किलो मोटा या छोटा अनाज उगाने में मात्र 150 से 300 लीटर ही पानी की जरुरत होती है। अतः आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना है तो मिलेट्स यानी छोटा अनाज या मोटा अनाज ही उगाने और खाने की जरुरत है ढ्ढ तभी पृथ्वी पर पर्यावरण का संतुलन रह सकता है ,एक बात समझनी होगी कि जब मोटा अनाज की मांग बढ़ेगी तो बाजार मेंइनका दाम भी बढेगा। तभी असिंचित भूमि वाले गरीब किसानों की आय भी बढेगी। कृषि विशेषज्ञ मानतेहैं किपूरे विश्व के छोटा और मोटा अनाज का बड़ा उत्पादक भारत है, इसलिए भारत के पास यह अनुपम अवसर है अपने मोटा अनाज का निर्यात तेजी से बढ़ाने का। उस स्थिति में भारत काविदेशी मुद्रा का भंडार भरने लगेगा और गरीब किसानों का पेट भी।

विचार

सपना सी.पी. साहू 'स्वप्निल'

भारत में संविधान पर हमले

अभी हमारे देश का विपक्ष संविधान की जो दुहाई देता फिरता है। वह भूल जाता है कि जितनी बार संविधान पर हमले कांग्रेस के सत्तारूढ़ रहते हुए, हुए है, वैसे तो भाजपा एनडीए गठबंधन की सरकार के पूर्व के दस वर्षों में भारत ने कभी नहीं देखे। हम भारतीय राजनैतिक घटनाओं का आधुनिक इतिहास पढ़े तो इसके स्पष्ट उदाहरण हमें देखने को सरलता से मिल जाते है। देश की आम जनता सदैव से भोली-भाली रही है। पहले तो भारत में साक्षर जन भी कम थे, दूसरा हम भारतीयों की आदत है कि हम घटनाओं को जल्दी बिसरा देते हैं। परन्तु, संविधान पर हमले की घटित घटनाओं को हमें भूलना नहीं चाहिए क्योंकि यह हमारे अधिकारों, कर्तव्य, कानून का लेखा-जोखा है। जो इंडि विपक्ष अभी संविधान की हत्या के राग अलाप रहे है वे भूल जाते है कि वे पहले ही संविधान के साथ गलत छेड़छाड़ कर चुके है। फिर भी विपक्ष जो झूठे राग अलाप रहा है वह सिर्फ जनता को भ्रम में रखने के अलावा कुछ नहीं। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर व संविधान सभा द्वारा लिखा गया संविधान पूर्व, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 16 बार, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने स्वसत्ता उपभोग के लिए 31 बार, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी सत्ता चलाने के लिए 16 बार और सोनिया गांधी ने तो बिना प्रधानमंत्री बने ही 11 बार संविधान को बदला है। लोकतंत्र पर हमले के कुछ बड़े उदाहरण तो हम भूलाए नहीं भूल सकते। 1938 में सुभाष चंद्र बोस कांग्रेस के अध्यक्ष मनोनीत हुए थे तत्पश्चात महात्मा गांधी द्वारा उन्हें अध्यक्ष मानना अस्वीकार कर दिया था। तब किसी का बहुमत से चयनित होना और उसे मनमानी करकर मनोनयन ठुकराना भारतीय लोकतंत्र पर हमला ही तो था। स्वाभिमानी नेता जी ने अंततः कांग्रेस पार्टी से अपना इस्तीफा दे दिया। उनकी प्रसिद्धि कांग्रेस पचा नहीं पाती थी उनकी दुखद शहीदी कैसे हुई और पार्थिव शरीर न मिलना आज तक रहस्य का विषय है। अब हम इतिहास में लोकतंत्र पर हमले के ऐसे उदाहरण की ओर बढ़ते है, जिसमें सरदार वल्लभ भाई पटेल को सर्वसम्मति से बहुमत मिला जिसमें उन्हें कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए 12 और नेहरू को मात्र 3 वोट मिले थे और यह तय था कि जो कांग्रेस का अध्यक्ष बनेगा वही आजाद भारत का भावी प्रधानमंत्री होगा लेकिन तब बहुमत से चयनित उम्मीदवार होने के बाद भी जवाहर लाल नेहरू को गांधी जी की पहली पसंद होने के कारण देश का पहला प्रधानमंत्री बना दिया गया। यह लोकतंत्र पर हमला ही तो था जिसका खामियाजा हमने चुकाया भी है।

लोकतंत्र पर हमले को यही विराम नहीं लगा, नेहरू के बाद गांधी परिवार की राजनैतिक लोलुपता कम नहीं हुई। भारत के लोकतंत्र को राजतंत्र में बदलने का बीड़ा सदैव गांधी परिवार ने अपने जिम्मे रखा है। इंदिरा गांधी ने तो देश की प्रधानमंत्री बनने पर जो क्रुरता दिखाई उसे लोकतंत्र पर मारी गई सबसे बड़ी चोट कहे तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। इंदिरा गांधी ने तो अपनी मनमानी करने के लिए आपातकाल की घोषणा की, देश को अपना गुलाम मान लिया और संविधान को जैसे अपने हाथ से लिखी डायरी। आपातकाल में जिसने भी गलत राजनैतिक आचरण का विरोध किया। बस, उस समय के हर विपक्षी नेताओं को जेल में डालकर अमानवीय यातनाओं से प्रताड़ित करा, प्रेस की स्वतंत्रता छिन ली गई और मनमाना आचरण किया गया। यह लोकतंत्र की हत्या की गूंज विदेशों तक गूंजी थी, भले ही उस समय भारतीय लोग शिक्षा से वंचित हो और कई भोले जन इस राजनैतिक बात को नहीं समझते हो पर जितने भी भारतीय शिक्षित जन थे उन्होंने इंदिरा गांधी के इस कृत्य को गलत ठहराया था और हम आज भी उस दौर को 25 जून काला दिवस के रूप में याद करते है। इंदिरा की तरह संजय गांधी को भी राजनीति का शौक था और इंदिरा गांधी का उसे बहुत सहयोग मिलता था, हिंदुओं की जनसंख्या नियंत्रण के लिए दोनों राजनैतिक मां, बेटे ने नसबंदी कार्यक्रम चलाया। यह लोगों पर दवाब बनाकर जबरदस्ती कार्य करवाया गया था और ऐसे अपनी इच्छा जनता पर थोपना लोकतंत्र की हत्या का प्रयास ही तो था। इसके बाद गांधी परिवार के तीसरे प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने तो इंदिरा गांधी के दो हत्यारों को सजा दिलवाने की जगह पूरे देश को सिक्ख दंगों की आग में झोंक दिया। यह भी लोकतंत्र की करारा हमला ही तो था। जिसमें एक परिवार के प्रतिशोध का खामियाजा हर सिक्ख ने भोगा था। फिर राजीव गांधी ने शाहबानो के प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलकर लोकतंत्र का मखौल उड़ाया फैसले में कट्टरपंथियों की बात को तवज्जों देते हुए लोकतंत्र की हमले का प्रयास किया। अब इस परिवार की मनमानी का आलम यही नहीं बदला सोनिया गांधी के अध्यक्ष बनने पर पूर्व में 1996 से 1998 में केन्द्रीय मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम केसरी को गुसलखाने में बंधक बना दिया गया। यह गलत व्यवहार लोकतंत्र को हमले का प्रयास ही तो था। इससे अगला प्रयास तो इससे भी अधिक शर्मसार कर देने वाला था सोनिया गांधी की अध्यक्षता में सीताराम केसरी को इतना जलिल किया गया उनके तन से नेताओं ने धोती खींचकर उतार दी और उन्हें एकमात्र अधोवस्त्र में कांग्रेस दफ्तर से बाहर का रास्ता दिखाया गया और उस नेता के आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाकर भी माफी नहीं मांगी गई। सीताराम केसरी उस घटना से फिर कभी गुमनामी के अंधेरों से बाहर नहीं निकल पाए। यह लोकतंत्र पर हमले का जलिल प्रयास ही तो था। देश के पूर्व मेधावी प्रधानमंत्री नरसिंह राव के मरणोपरांत उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस कार्यालय में लाने का सख्त मना कर दिया गया, तब उनकी अंत्येष्टी दिल्ली से नहीं हुई और यह कृत्य कांग्रेस ने भारत को अपनी जायदाद समझते नहीं करने दिया। सोनिया और कांग्रेस नहीं चाहती थी कि नेहरू, इंदिरा, राजीव की तरह नरसिम्हा राव की समाधि दिल्ली में बने। यह स्व की सोच लोकतंत्र की हत्या का प्रयास ही तो था। इसके बाद भी यह सतत प्रयास नहीं रूके सोनिया गांधी जो पर्दे के पीछे से 2004 से 2014 अघोषित प्रधानमंत्री पद संभाला है। उस समय उनके पुत्र राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा लाए गए अध्यादेश को इस तरह खारिज करते हुए कैबिनेट में फाड़ कर फेंका कि मनमोहन सिंह देश-विदेश में कठपुतली प्रधानमंत्री की छवि से कभी भी नहीं निकल पाए। इस संविधान पर हमले के कारण भारत लोकतंत्र की जगह राजतंत्र का संदेश संसार को मिला। गांधी परिवार स्वघोषित भारत के राज परिवार से कम नहीं रह गया। 2014 से लेकर आज तक भी चाहे भाजपा संग एनडीए गठबंधन सत्ता में हो पर जहां-जहां यूपीए परिवर्तित नाम I.N.D.I. गठबंधन द्वारा शासित राज्यों में आलोचना का स्तर चरम पर होने से दक्षिणपंथियों के द्वारा लगातार एफआईआर लोकतंत्र पर नियमित हमलावार होना ही तो है। गांधी परिवार और उनके समर्थक भले ही लोकतंत्र पर हमले की बात करते हुए भारत में प्रोपेगेंडा चला रहे हो लेकिन यह वैसा ही कथन है कि पाकिस्तान आतंकवाद का विरोधी है। जैसे यह कथन हास-परिहास जगाता है। वैसे ही लोकतंत्र पर आजादी के समय से हमले करने वाले और समय-समय पर स्वहित के लिए उसे बदलने वाले संविधान को लहराते हुए कहते है कि सत्ता पक्ष संविधान की हत्या करना चाहता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रदीप औदिच्य

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बूढ़े कानूनों की अंतिम विदाई

कानून आ गए नए वाले ।नए कानूनो ने जन्म के बाद थोड़ा थोड़ा चलना फिरना शुरू कर दिया है। बुजुर्ग हो चुके पुराने कानून अपनी जिंदगी के डेढ़ सौ साल की जी कर विदा हो गए।डेढ़ सौ सालों में वह बुजुर्ग भी हो गए थे। एक तरीके से वह कानून खटिया से लग गए थे।बहुत सालो से पक्का इलाज मिलने के बाद भी उनके नसों में खून बह नहीं पा रहा था।वृद्धावस्था होने से वह कमजोर भी थे। पुराने कानून के जन्मदाता भी विदेशी थे। इसलिए उनके अंदर देशी रक्त का अभाव सा था।

बूढ़े हो चुके कानून के साथ हर कोई खेल जाता था। बूढ़े कानून के हालत गांव के उस बुजुर्ग सी हो गई थी, जो गांव के भर के बच्चों के मनोरंजन के काम आता है। कानून के शरीर में कई बीमारी धीरे धीरे पनपने लगी थीं।

बाल्यकाल में जब ये चलने की कोशिश में था ,तब उसको अंगुली से चलाने वाले ही उसे गलत दिशा में ले गए।

फिर जब गए तो यहां के बड़े लोगो ने उसे बड़ा होने ही नहीं दिया,उसके छेद ढूंढ लिए कि इधर कानून के लंबे हाथ किसी की गर्दन तक पहुंचने तब तक छेद ढूंढने वाला छेद से सरक कर निकल जाता था।

कानून का इलाज करते करते कई वैद्य हकीम उसको बीमारी पैदा करने लगे थे।कानून का एक दोस्त नियम भी है, लेकिन नियम बहुत तगड़ा है ,दफ्तरी फाइल को खाते खाते वह बहुत तगड़ा हो गया है।इतना तगड़ा कि रास्ते में आड़े आ जाता है।मुझे एक बात उससे यही पूछना है कि भाई तुम हमेशा आड़े ही क्यों आते हो,कभी सीधे खड़े भी रहा करो।

तुम्हारे आड़े आने से दफ्तर में कई दफ्तरी साइड के रास्ते खोज लेते हैं।फिर यही होता है,तुम आड़े पड़े रहते हो,वह चुपचाप साइड से खिसक जाते हैं।नियम ने कहा देखो दोस्त मुझे किस स्थिति में रहना है ये तो वही लोग तय कर लेते है। मैं तो सर्कस का शेर हूं..जैसा वह नचाते है हम नाचते हैं,मेरा डर भी बताते है ,और मुझे नचाते भी हैं।अब नए कानूनों का जन्म हुआ है।ये नए कानून अभी शिशु अवस्था में हैं। इनके बारे में लोगों की उत्सुकता है। नए कानून नई पीढ़ी के नए जमाने के हैं या नहीं।

कई जगह अखबारों में ये खबर बनी कि नए कानून के तहत पहली रिपोर्ट दर्ज की गई। मुझे ये लगा कि पुलिस भी अगर नई हुई तो हो सकता है पहले आरोपी का थाने में माला से स्वागत कर दे.. कि भाई आप ही की बदौलत ये अवसर हमे मिला है।आप हो तो नए कानून की इज्जत है, वरना इस व्यस्त समय में किसे फुरसत है लड़ने झगड़ने की। आइए हम आपका स्वागत कर दे।

और पुलिस अगर पुरानी हुई तो नए कानून को अपने हिसाब से लिखा पढ़ा देगी।

फिर जब पुलिस जगह जगह नए कानून के बारे में जानकारी देने के लिए सेमिनार आयोजित कर रही है।

पुलिस सब को बता रही है कि जिस आदमी को अब तक आप 420 कहते हो,अब आप उसे 318 कह सकते हो क्यों कि धोखाधड़ी की धारा भी बदल गई है,इसलिए अब उसका कोड नेम भी बदल ही लेना।

अगर पुलिस ने नए कानून की जानकारी देने के लिए लोगो को शिविर लगाए। इधर कानून के साथ खो खो खेलने वाले भी सक्रिय हो गए।वह भी वकीलों पर भरोसा कम कर रहे है,वह खुद जानना चाह रहे है कि कौन से कानून में क्या छेद हो सकता है।इसके लिए एक ने तो बकायदा तीन दिवसीय सेमिनार रखा है,उसमे उस क्षेत्र के जमानती, फरारी,जिला बदर, सट्टा किंग,खुद की जंगल वाली देशी दारू का लघु उद्योग चलाने वाले, देशी विदेशी कट्टे रिवाल्वर को उचित दाम पर उपलब्ध कराने वाले ऐसे सभी लोग जो कानून को पल्लवित पुष्पित होने में मदद करते है,,वह इस कानून की बारीकियों को सीख सकेंगे। बूढ़े कानून मृत भले ही हो गए हो,पर उनके खून का थक्का व्यवस्था की रगों में जमा है।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

राज्यसभा चुनाव-2

राज्यसभा चुनाव और न्यायालयों के फैसले

यदि गोपनीयता भ्रष्टाचार का स्त्रोत बन जाती है, तो पारदर्शिता में इसे हटाने की क्षमता है। इसी मामले में अदालत ने कहा कि किसी राजनीतिक दल के निर्वाचित विधायक को अपने पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ मतदान करने के लिए दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता का सामना नहीं करना पड़ेगा।

लोकतांत्रिक मूल्य क्रॉस-वोटिंग जवाबदेही के लोकतांत्रिक सिद्धांत के खिलाफ है, जहां प्रतिनिधियों से अपने घटकों के हितों और व्यापक सार्वजनिक भलाई को बनाए रखने की उम्मीद की जाती है। यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर व्यक्तिगत लाभ या दल की राजनीति को प्राथमिकता देता है। क्रॉस-वोटिंग निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच स्वतंत्रता की एक डिग्री का संकेत दे सकती है, जिससे उन्हें सख्त पार्टी लाइनों के बजाय अपनी अंतरात्मा या अपने घटकों के हितों के अनुसार मतदान करने की अनुमति मिलती है। यह अधिक सूक्ष्म निर्णय लेने और प्रतिनिधित्व की ओर ले जा सकता है। जाँच और संतुलन क्रॉस-वोटिंग, यदि राय या विचारधारा में वास्तविक मतभेदों से प्रेरित है, तो विधायी निकाय के भीतर एक पार्टी या गुट के प्रभुत्व पर रोक लगाने का काम कर सकता है। यह शक्ति की एकाग्रता को रोक सकता है और अधिक संतुलन और दृष्टिकोण की विविधता को बढ़ावा दे सकता है। जवाबदेही कुछ मामलों में, क्रॉस-वोटिंग पार्टी नेतृत्व या नीतियों के प्रति असंतोष को दर्शाती है, जिससे पार्टियों को आत्मनिरीक्षण करने और आंतरिक शिकायतों का समाधान करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे अंततः मतदाताओं के प्रति अधिक जवाबदेही और प्रतिक्रियाशीलता पैदा हो सकती है।

इस संबंध में कुलदीप नैयर बनाम भारत संघ, 2006 प्रकरण उल्लेखनीय है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यसभा चुनावों के लिए खुले मतपत्र की प्रणाली को बरकरार रखा। यह कहा गया कि यदि गोपनीयता भ्रष्टाचार का स्त्रोत बन जाती है, तो पारदर्शिता में इसे हटाने की क्षमता है। हालांकि, इसी मामले में अदालत ने कहा कि किसी राजनीतिक दल के निर्वाचित विधायक को अपने पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ मतदान करने के लिए दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता का सामना नहीं करना पड़ेगा। वह सबसे अधिक अपने राजनीतिक दल से अनुशासनात्मक कार्रवाई को आकर्षित कर सकता है। रवि एस. नाइक और संजय बांदेकर बनाम भारत संघ, 1994 प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि दसवीं अनुसूची के तहत स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ना केवल उस पार्टी से औपचारिक रूप से इस्तीफा देने का पर्याय नहीं है जिससे सदस्य संबंधित है।

सदन के अंदर और बाहर किसी सदस्य के आचरण को यह अनुमान लगाने के लिए देखा जा सकता है कि क्या यह स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ने के रूप में योग्य है। प्रत्यक्ष चुनाव की जीवंतता के बिना, राज्यसभा चुनाव आमतौर पर निराशाजनक होते हैं। कोई बड़ी राजनीतिक रैलियाँ या बड़ी मतदाता सभाएँ नहीं हैं। इन चुनावों में मतदाता राज्य विधानसभाओं के सदस्य हैं। अक्सर, कोई मुकाबला नहीं होता है और विधायकों को राज्यसभा सदस्य चुनने के लिए अपना वोट भी नहीं डालना पड़ता है। उदाहरण के लिए, चुनावों के नवीनतम दौर में 41 सीटों पर कोई मुकाबला नहीं था। जिन 15 सीटों पर चुनाव हुए थे, उम्मीदवारों ने दोपहर के भोजन, रात्रिभोज और अंतरंग बातचीत पर प्रचार किया। और हर दो साल की तरह, राज्यसभा चुनाव तब समाचार बन जाते हैं जब कोई राजनीतिक व्यक्तित्व/दल हार जाता है जो संख्यात्मक रूप से जीतने योग्य चुनाव प्रतीत होता है। इस बार हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन चुनाव हार गए। हार संबंधित पार्टी के विधायकों द्वारा क्रॉस-वोटिंग के कारण हुई थी।

राज्यसभा एक स्थायी सदन है और इसके सदस्यों का कार्यकाल छह साल का होता है। इसके एक तिहाई सदस्य हर दो साल में सेवानिवृत्त होते हैं, जिसके लिए खाली सीटों को भरने के लिए चुनाव की आवश्यकता होती है। पिछले 60 वर्षों से इन चुनावों में धन, बाहुबल और क्रॉस-वोटिंग के आरोप लगे हुए हैं। लेकिन इससे पहले कि हम राज्यसभा चुनावों के इतिहास में जाएं, आइए देखें कि ऊपरी सदन में सबसे पहले सीट कैसे भरी गई। 1951 के आम चुनावों में पहली लोकसभा के लिए सांसद और

राज्य विधानसभाओं के लिए विधायक चुने गए। निर्वाचन आयोग ने ये चुनाव मार्च 1952 में कराए थे और राज्यसभा का गठन 3 अप्रैल 1952 को किया गया था। विधायकों ने राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए 204 सांसदों को चुनने के लिए मतदान किया और 12 को राष्ट्रपति द्वारा नामित किया गया। संविधान में यह भी कहा गया है कि ऊपरी सदन के एक तिहाई सांसदों को हर दो साल में सेवानिवृत्त होना चाहिए।

इसने यह तय करने में एक समस्या प्रस्तुत की कि 1958 तक कार्यालय में नवनिर्वाचित सांसदों में से किसके कार्यकाल में कटौती की जाएगी। इसका समाधान यह था कि प्रत्येक राज्य के राज्यसभा सांसदों को तीन समान समूहों में बांटा जाए। पहले समूह का पूरा छह साल का कार्यकाल 2 अप्रैल, 1958 कोसमाप्त होगा। दूसरा समूह चार साल तक सेवा करेगा और अंतिम समूह दो साल के लिए सांसद होगा। यह समूह नामित सांसदों पर भी लागू था। राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने आवश्यक आदेश दिया और चुनाव आयोग ने 29 नवंबर, 1952 को दिल्ली में अपने कार्यालय में लॉट का एक सार्वजनिक ड्रा आयोजित किया। लॉट के ड्रॉ ने दिलचस्प परिणाम दिए। उदाहरण के लिए, डॉ. नीलम संजीव रेड्डी (मद्रास से), श्री लाल बहादुर शास्त्री (उत्तर प्रदेश से) और पृथ्वीराज कपूर (मनोनीत सांसद) ने खुद को दो साल के समूह में पाया। लेकिन एक समझ थी कि दो साल की बाल्टी में खुद को पाने वाले कई लोग पूरे साल के कार्यकाल के साथ ऊपरी सदन में वापस आएंगे। शास्त्री और कपूर वापस आ गए और 1960 तक राज्यसभा में सेवा की।

राज्यसभा चुनाव ने पहले दस वर्षों में ज्यादा विवाद नहीं हुए। कभी-कभी व्यापारियों द्वारा विधायक बनने के लिए ऊपरी सदन के रास्ते का उपयोग करने की गड़गड़ाहट होती थी, लेकिन इससे ज्यादा कुछ नहीं। अपने विधायकों पर कांग्रेस पार्टी की पकड़ का मतलब था कि शायद ही कोई चुनावी उथल-पुथल हुई हो। लेकिन 1964 में यह बदल गया। उस वर्ष, निर्वाचन आयोग ने बिहार से उच्च सदन की सीटों को भरने के लिए चुनाव कराए। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में से एक कांग्रेस पार्टी के मौजूदा सांसद शील भद्रा याजी थे। याजी ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया था और कई साल जेल में बिताए थे। आठ रिक्त सीटों के लिए कांग्रेस के छह और पांच अन्य उम्मीदवार थे। गैर-कांग्रेसी दावेदारों में से एक निर्दलीय उम्मीदवार, व्यवसायी राजेंद्र प्रसाद जैन थे। कांग्रेस की अपने विधायकों पर पकड़ कम होने के साथ, उसके कुछ विधायकों ने जैन के पक्ष में क्रॉस-वोट किया, जिन्होंने चुनाव जीता।

चुनाव हारने वाले को उनके शुभचिंतकों ने सूचित किया कि जैन ने कुछ विधायकों को रिश्वत दी है। उन्होंने न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाते हुए तर्क दिया कि अदालत को भ्रष्ट प्रथाओं में लिप्त होने के लिए जैन के चुनाव को रद्द कर देना चाहिए। याचिकाकर्ता ने साबित कर दिया कि व्यवसायी ने कांग्रेस के दो विधायकों को रिश्वत की पेशकश की थी। जैन ने क्रॉस-वोटिंग करने वाले विधायकों में से एक से कहा था, ''आपके चुनाव में, बहुत पैसा खर्च होता है और इसलिए, मुझसे कुछ पैसे लें और अपनी पहली पसंद का वोट मेरे पक्ष में डालें।'' याचिकाकर्ता ने मामले को दृढ़ता से आगे बढ़ाया, जब तक कि सन् 1967 में सर्वोच्च न्यायालय ने जैन की कानूनी चुनौती समाप्त नहीं कर दी। इसने उनके चुनाव को अमान्य घोषित कर दिया। जैन का चुनाव उन पहले मामलों में से एक था जहां एक चुनाव न्यायाधिकरण ने भ्रष्ट प्रथाओं के लिए ऊपरी सदन के चुनाव को अमान्य घोषित कर दिया था। अब तक केवल मीडिया में जो अटकलें लगाई जा रही थीं और संसद में निजी चर्चा का विषय आम जानकारी बन गया था।

याजी राज्यसभा के लिए फिर से चुने जाएंगे। तीन साल बाद, सन् 1970 में, राज्यसभा चुनावों में व्यापक क्रॉस-वोटिंग हुई। इसमें 80 से अधिक राज्यसभा सांसद ऊपरी सदन के चुनावों में धन शक्ति और संसदीय लोकतंत्र के कामकाज और संरक्षण पर इसके प्रभाव पर बहस की मांग करी गई। याजी, कृष्णकांत, लाल कृष्ण आडवाणी और प्रणब मुखर्जी जैसे सांसदों के साथ चर्चा में भाग ली गई। आडवाणी ने सोचा कि ऊपरी सदन के चुनावों में क्रॉस-वोटिंग को रोकने का एकमात्र तरीका राजनीतिक दलों में अधिक अनुशासन के माध्यम से था जिस पर काम करते हुए, जिस पर काम करते हुए एंटी डिफेक्शन लॉ इत्यादि का उपयोग किया गया था।

पुण्य स्मरण

गौरव अवस्थी

भारत यात्रा केंद्र भोंडसी- दुर्दशा देखि न जाई..

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का जन्म 17 अप्रैल 1927 को उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद के इब्राहिम पट्टी गांव में हुआ। उनकी स्कूली शिक्षा रामकरण इंटर कॉलेज भीमपुरा से पूरी हुई। विद्यार्थी राजनीति में उन्हें फायर ब्रांड नेता के रूप में पहचान मिली। 1962 से 1977 तक वह राज्यसभा के सदस्य रहे 1977 में पहली बार वह बलिया लोकसभा सीट से चुनकर संसद में पहुंचे। उन्होंने बलिया लोकसभा सीट का संसद में आठ बार प्रतिनिधित्व किया। अपनी नीति से उन्होने भारतीय राजनीति को कई नए आयाम भी दिए। कांग्रेस के बाहरी समर्थन पर 1991 में केंद्र में सात महीने तक अल्पमत की सरकार भी चलाई। प्रधानमंत्री बनने के बाद चंद्रशेखर ने अधिकांश समय प्रधानमंत्री निवास के बजाय अपने इसी आश्रम में बिताया और समस्याओं के समाधान हर खोजते और निकालते रहे। सफल और सार्थक संसदीय जीवन के लिए 1995 में उन्हें 'आउटस्टैंडिंग पार्लियामेंट अवार्ड' से सम्मानित भी किया गया। अंतिम समय में चंद्रशेखर जी लाइलाज मर्ज कैंसर की चपेट में आए। 3 मई 2007 को उन्हें गंभीर अवस्था में नई दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 8 जुलाई 2007 को वह जिंदगी की जंग हार गए। चंद्रशेखर भारतीय राजनीति के ऐसे चमकते सितारे थे, जिन्होंने 1977 में जनता पार्टी की संयुक्त सरकार में लाल बत्ती का मोह छोड़कर जनता पार्टी के मुखिया का दायित्व संभालने में ज्यादा रुचि दिखाई थी। 3 साल बाद ही गिरी इस संयुक्त सरकार और इंदिरा गांधी की पुनर्वापसी के बीच भारतीय राजनीति का वह दौर उथल-

पुथल भरा था। गैर कांग्रेसी दलों की सक्रियता 'टेकऑफ' और लैंडिंग के बाद फिर टेकऑफ की तैयारी में थी। इसी दौर में चंद्रशेखर राजनीति की नई 'इबारत' लिखने और मूल समस्याओं पर विचार एवं चिंतन के लिए 6 जनवरी 1983 को कन्याकुमारी से 4250 किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले।

आपातकाल (25 जून 1977) की आठवीं बरसी 25 जून 1984 को उनकी इस पदयात्रा कासमापन राजघाट पर बापू की समाधि पर हुआ। यात्रा के दौरान चंद्रशेखर कई स्थानों पर रुके और रहे। यही वह समय था जब युवा तुर्क को राजनीति से इतर समस्याओं के लिए विचार विनिमय के लिए आश्रमों की आवश्यकता महसूस हुई। उन्होंने केरल के पालघाट, तमिलनाडु के सेलम, कर्नाटक के कनकपुरा-बेंगलुरू, महाराष्ट्र के पुणे, मध्यप्रदेश के निवाड़ी और कटनी, पश्चिम बंगाल के पूर्णिया, झारखंड के कालाहांडी, उत्तर प्रदेश के लखनऊ एवं बहराइच और हरियाणा के भोंडसी में भारत यात्रा केंद्र स्थापित किए। इनमें सबसे पहला भोंडसी आश्रम (गुरुग्राम) था। उन्होंने नवगठित हरियाणा राज्य में अरावली पर्वतमाला के इस हिस्से को सबसे उपयुक्त पाया, जहां पानी की समस्या विकराल थी। उनका संकल्प और भोंडसी ग्राम पंचायत का आग्रह अरावली पहाड़ों की तलहटी में भारत यात्रा केंद्र की स्थापना का आधार बना।

देश के दूसरे सबसे बड़े आईटी सिटी गुरुग्राम के प्रमुख केंद्र राजीव चौक से सोहना रोड (अब फोरलेन हाइवे) पर 9 किलोमीटर आगे दाहिनी ओर का लिंक मार्ग भोंडसी आश्रम को जाता है। अरावली पहाड़ों के बीच बसा भारत यात्रा केंद्र 'भोंडसी आश्रम' नाम से ही ज्यादा चर्चा में रहा है। कभी यह आश्रम देश की सियासत का 'पहाड़' हुआ करता था। आज इस आश्रम के चिन्ह आश्रम में ही ढूंढने मुश्किल हैं। पानी की समस्या के हल के लिए ही चंद्रशेखर ने अपने इस आश्रम में पौधारोपण को प्रमुखता दी। उन्हीं के प्रयासों का फल था कि यहां कुछ ही वर्षों में आम, आंवला, नीम, पाकड़ आदि समेत फल-फूलदार वाले 30-35 लाख से अधिक पौधे रोपे गए। समय के साथ यह पौधे पेड़ बने। अरावली का यह सूखा पहाड़ हरा-भरा हुआ। भूजल संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रयास हुआ।

समय पलटा और पहाड़ की किस्मत भी। चंद्रशेखर का यह आश्रम कानूनी जाल में उनके समय में ही उलझना शुरू हो गया। पदयात्रा में शामिल रहे एक अधिवक्ता की जनहित याचिका पर करीब 588 एकड़ से अधिक भूमि पर बने इस आश्रम की अधिकांश जमीन भारत यात्रा ट्रस्ट को वर्ष 2002 में हरियाणा सरकार को लौटानी पड़ी। आश्रम के सुरक्षित हिस्से में रह रहे पदयात्री उमेश चतुर्वेदी बताते हैं कि हरियाणा सरकार को जमीन लौटाते वक्त लिखापढ़ी में 21 लाख पेड़ का जिक्र भी हुआ था। आज यह पेड़ पानी की एक बूंद के लिए तरसते हैं। रही सही कसर वर्ष 2007 में चंद्रशेखर के निधन के बाद भारत यात्रा ट्रस्ट पर कब्जे को लेकर आपस में छिड़ी जंग पूरी कर रही है। दिल्ली हाईकोर्ट के 'स्टे आर्डर' से भोंडसी में ट्रस्ट के पास सुरक्षित 35 एकड़ जमीन पर खड़े करीब 25 हजार वृक्षों को भी अब बारिश के अलावा पानी की एक बूंद मयस्सर नहीं है।

आश्रम में पहाड़ की तलहटी पर बनाया गया सूखा तालाब चिल्ला-चिल्लाकर भूजल संरक्षण की पुरानी कहानी सुनाता है। तालाब के चारों तरफ बनी सड़क कच्ची और हनुमान मंदिर एवं चंद्रशेखर के अस्थाई निवास (अब भुवनेश्वरी कला केंद्र) को जाने वाली सड़क सीमेंटेड है। कहने की जरूरत नहीं कि यह सड़कें भी बस नाम की रह गई हैं। कानूनी पचड़ों की वजह से ट्रस्ट भी सड़कों की तरह ही बस नाम का ही रह गया है। काम केवल हनुमान मंदिर आ रहा है। जहां पूजन-अर्चन विधिवत आज भी जारी है। कुछ दर्शनार्थी आज भी यहां माथा टेकने पहुंच जाते हैं। मंदिर में पुजारी का दायित्व चित्रकूट के पंडित शिवाशास्त्री और देखरेख का जिम्मा सुल्तानपुर के रहने वाले गौरीशंकर पांडेय के पास। बताया गया कि पांडेय जी भी चंद्रशेखर के सह पदयात्री रहे।

मंदिर के पहले ही दाहिने हाथ बना भव्य भवन और परिसर भी धीरे-धीरे जर्जर अवस्था को प्राप्त होता जा रहा है। इस भवन के मुख्य गेट पर 'भुवनेश्वरी कला केंद्र' का बोर्ड जड़ा हुआ है। उमेश चतुर्वेदी के अनुसार, यह भवन ही चंद्रशेखर का अस्थाई निवास हुआ करता था। चंद्रशेखर के पारिवारीजनों ने बोर्ड जबरदस्ती लगा दिया। उन्हें उनकी नीयत में खोट दिखता है। गेट के बाहर और अंदर कुछ टूटी-फूटी मूर्तियां केंद्र की बदहाली की जीती जागती मिसाल हैं। गौशाला भवन भी बिना गायों के सूना-सूना सा है। कभी देश की सियासत का केंद्र रहने वाले इस भोंडसी आश्रम की दुर्दशा अब आपसे देखी नहीं जाएगी। यहां आने वाले को निराशा ही हाथ लगती है। पूर्व प्रधानमंत्री होने के नाते चंद्रशेखर की समाधि नई दिल्ली के राजघाट पर है लेकिन भारत यात्रा केंद्र भोंडसी में अस्थाई निवास के सामने भी उनकी एक समाधि बनी हुई है। चिरनिद्रा में विलीन भारतीय राजनीति का यह योद्धा खामोशी के साथ अपने सपने को दिन-प्रतिदिन बिखरते देख रहा है।

स्वास्थ्य

ललित गर्ग

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

कोलेस्ट्रॉल का बढ़ रहा खतरा, स्वास्थ्य को चौपट कर देगा

रक्तचाप जैसे रोग दबे पांव इंसानों को घेर कर बड़ी चुनौतियां बन रहे हैं, जिन्हें बड़े खतरों के रूप में देखा जाना चाहिए। इन्हीं बढ़ते खतरों के बीच देश में कोलेस्ट्रॉल एक नई स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की 22 सदस्यीय समिति ने अब अधिक कोलेस्ट्रॉल की वजह से होने वाले डिस्लिपिडेमिया को लेकर जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे इसी मायने में महत्वपूर्ण एवं स्वास्थ्य के मोर्चे पर गंभीर हैं। शरीर का यह ऐसा विकार है, जिसका पता अक्सर खुद उसके शिकार को भी नहीं चल पाता, क्योंकि अक्सर इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देते। नतीजा यह होता है कि वह धीरे-धीरे हृदय रोग और गंभीर स्थितियों में हृदयाघात जैसी समस्याओं की ओर बढ़ता जाता है। बहरहाल, इस संगठन ने भारत के बारे में जो आंकड़े दिए हैं, वे डराने वाले हैं। देश की 81 फीसदी आबादी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ज्यादा मिला है, यानी चुपचाप होने वाले इस शारीरिक विकार का खतरा देश की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से पर मंडरा रहा है। कोलेस्ट्रॉल की पहचान के लिए लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना चाहिए। शरीर में लिपिड का लेवल कितना हो इसके लिए भारत की अपनी पहली गाइडलाइन बनाई गई है। कोलेस्ट्रॉल का बेहतर ढंग से इलाज दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ना बेहद खतरनाक होता है। इससे कई तरह की गंभीर शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

आज जितनी भी नई-नई बीमारियां उभर रही है, उसका कारण असंतुलित एवं सुविधावादी जीवनशैली है। डिस्लिपिडेमिया को जीवन शैली से जुड़ी समस्या माना जाता है। कहा जाता है कि इस समस्या के मूल में आर्थिक समृद्धि के कारण लोगों की खान-पान, नशा एवं उन्मुक्त जीवनशैली है। देर रात को सोना एवं सुबह देर से उठना, ना खाने का समय, ना शरीर को तपाने की कोई पद्धति। फास्ट-फूड के आधुनिक दौर में अब हमारे भोजन में ज्यादा शर्करा, ज्यादा कार्बोहाईड्रेट और ज्यादा वसा होने के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। निश्चित ही यह यह रोग अमीर लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है, लेकिन बड़ी समस्या यह है एक बड़ी आबादी इसकी गिरफ्त में आ गयी है। वह गरीब आबादी जो देश में आज मुफ्त अनाज पर निर्भर है। इसलिये बहुसंख्यक लोगों में इस रोग के पनपने एवं शारीरिक समस्या के लिए सिर्फ हम जीवनशैली को दोषी नहीं ठहरा सकते। यही वजह है कि भारतीय स्थितियों में इस समस्या के प्रसार के अभी और गहन एवं गंभीर अध्ययन की जरूरत है। इस बढ़ते खतरे को समय पर नियंत्रित नहीं किया गया तो भारत बीमारों का देश बन जायेगा।

भारत में डिस्लिपिडेमिया की बीमारी तेजी से फैल रही है, जो एक साइलेंट किलर की तरह है। इस बीमारी के लक्षण तो नजर नहीं आते लेकिन यह धीरे-धीरे शरीर में अपनी जड़े जमाने लगती है और हार्ट अटैक जैसी खतरनाक बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती है। निश्चित ही कोलेस्ट्रॉल को लेकर जो खबर आई है, वह बहुत अच्छी नहीं है। हालांकि, इसके पीछे की जो पहल है, उसकी तारीफ तो की ही जानी चाहिए। पहली बार देश

में कोलेस्ट्रॉल को लेकर दिशा-निर्देश जारी हुए हैं। अभी तक जब देश के डॉक्टर मरीजों के कोलेस्ट्रॉल या सरल भाषा में कहें, तो शरीर में जमा हो गई चर्बी का इलाज करते थे या लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराने की हिदायत देते थे, तो वे यह काम यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी के दिशा-निर्देशों के तहत कर रहे होते थे। हार्ट अटैक को लेकर अक्सर ये कहा जाता रहा है कि डायबिटीज, हाइपरटेंशन, स्ट्रेस, तंबाकू सेवन, मद्यपान आदि के कारण हार्ट अटैक होते हैं, लेकिन इसके विपरीत भारत में हार्ट अटैक के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार जो चीज देखी गई है, वह है डिस्लिपिडेमिया यानि लिपिड प्रोफाइल जो भारत में 80 फीसदी लोगों में नॉर्मल नहीं है और न ही लोगों को इसकी जानकारी ही है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में पिछले 10 सालों में दिल का रोग बढ़ता गया है। इसका बड़ा कारण खानपान, खराब एवं असंतुलित हुई जीवनशैली, दैनिक शारीरिक गतिविधि में आई कमी सहित दूसरे कारण है।

इस बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बहुत सारी छोटी-छोटी मौसमी बीमारियों तक का इलाज, खासकर दूरदराज के अनेक ग्रामीण इलाकों में आज भी सहज उपलब्ध नहीं है और जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं, वहां भी शायद ही इस तरह की स्वास्थ्य-समस्या के इलाज की समुचित व्यवस्था होगी। इसलिए हमारे सामने जो चुनौती है, वह बहुत ज्यादा बड़ी है। इसी के साथ-साथ यह भी बहुत जरूरी है कि इस समस्या से बचाव के तरीकों का देश में पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो।

यह बहुत कठिन काम नहीं है। उदाहरण भी हमारे पास है। सही तरीके से प्रचार के कारण ही कोविड के दौर में बहुत बड़ी आबादी ने मास्क पहनने, सार्वजनिक दूरी बनाने, खानपान को संतुलित करने के उपक्रम शुरू कर दिए थे। कोलेस्ट्रॉल के इलाज को सर्वसुलभ बनाने के रास्ते भी हमें खोजने होंगे। हमारे देश की आधी आबादी शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं है। भारत की जनता शारीरिक रूप से सक्रियता के मामले में दुनिया में 12वें नबंर पर है। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल के अनुसार हमारे देश में 57 फीसदी महिलाएं शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। वहीं, इस सूची में पुरुष तकरीबन 42 फीसदी है।

दुनिया की बड़ी चिन्ताओं में स्वास्थ्य प्रमुख है। सभी देशों में स्वास्थ्य की स्थिति सोचनीय एवं परेशान करने वाली है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण शारीरिक एवं मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक राष्ट्र के लिये नहीं, समूची दुनिया के लिये चिन्ता का विषय है। अस्वास्थ्य वर्तमान युग की एक व्यापक समस्या है। चारों ओर बीमारियों का दुर्भेध घेरा है। निरन्तर बढ़ती हुई बीमारियों को रोकने के लिये नई-नई चिकित्सा पद्धतियां असफल हो रही है। जैसे-जैसे विज्ञान रोग-प्रतिरोधक औषधियों का निर्माण करता है, वैसे-वैसे बीमारियां नये रूप, नये नाम और नये परिवेश में प्रस्तुत हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ स्वस्थ खाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि कैसे दुनिया एक साथ आकर सभी को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है।

भारत की चिकित्सा स्थितियां एवं सेवाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां सुधर रही हैं, वहीं स्वास्थ्य-स्थितियां नई-नई चुनौतियां लेकर खड़ी हो जाती है। इसलिये चिकित्सा-स्थितियों के साथ-साथ स्वास्थ्य-स्थितियों में सुधार की तीव्रता से अपेक्षा है। भारत में स्वास्थ्य-क्रांति का शंखनाद हो, यह व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करें, सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करने के लिए प्रेरित करें और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करे। बीमारियों पर नियंत्रण के लिये योग एवं साधना, संतुलित आहार एवं संयमित जीवनशैली को भी प्रोत्साहित किया जाये। जितनी भी मानसिक और कायिक बीमारियां या विकृतियां उत्पन्न होती है, वे इस बात की गवाह है कि किसी एक ने 'रोड क्रोसिंग' पर खड़े 'ट्रेफिक पुलिस' के निर्देशों की उपेक्षा कर 'ओवर टेकिंग' की कोशिश की है। सारी दुनिया में बढ़ते हुए मनोरोग एवं हृदयरोग इसी आंतरिक अव्यवस्था का परिणाम है। अन्य असाध्य बीमारियों का कारण भी असंतुलित जीवनशैली है। इसलिये अच्छे स्वास्थ्य के लिये मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बरतना नितान्त अनिवार्य है।

ग्रामीण बोले : कलेक्टर साहब प्लीज हमारी समस्या का समाधान करिए

गांव में नहीं है गोदाम, 1 साल में चार बार दुकान बदली अब राशन लेने 3 से 4 किलोमीटर जाने को मजबूर, गरीब जल्द ही कलेक्टर से लगाएंगे गुहार

बैतूल। भीमपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत आदर्श धनोरा में कई वर्षो से निजी मकानों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालों के लिए अनाज का भंडारण कर राशन वितरण का कार्य संचालित किया जा रहा था। निजी मकान मालिकों ने एक-एक करके अपने निजी घरों में अनाज रखने के लिए मना कर दिया है। जिससे एक साल में लगभग 4 से 5 स्थानों में अनाज रखा गया। अब अनाज रखने के लिए कोई ना मकान दे रहे ना दुकान दे रहे।

जब निजी मकान-दुकान मालिको से अनाज नही रखने देने की वजह पूछी गई तो सबने निजी कारण बताया। ग्राम में सरकारी गोदाम नही होने के कारण अब गरीबो को अनाज लाने के लिए 3 से 4 किलोमीटर की दूरी तय करके ग्राम हिड़ली जाना पड़ रहा हैं। जिससे ग्रामीणों को बहुत ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ ग्रामीण बोले हमारे पास इतनी दूर से राशन लाने के लिए साधन नही है जिससे हमें राशन लाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों को कलेक्टर से है समस्या के समाधान की आस-

ग्रामवासी कृष्णी, सुशीला, कमल, श्रीराम, लता, कलसिया आदि का कहना यह हैं कि अब हमारी समस्या का समाधान जिले के मुखिया कलेक्टर ही कर सकते है। क्योंकि देखने मे मिला है कि कलेक्टर छोटी से छोटी व बड़ी से बड़ी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल यथासंभव निराकरण करते हैं।साथ ही बताया कि हम लोग जल्द ही कलेक्टर महोदय से मुलाकात कर अपनी समस्या रखेंगे और हमे पूरी उम्मीद हैं कि हमारी समस्या का समाधान भी होंगा।

इनका कहना

आदर्श धनोरा में निजी मकानों में गोदाम नही होने के कारण अनाज का भंडारण कर राशन वितरण किया जाता था।अब ग्रामीणों के निजी कारणों के कारण मकान खाली नही है,और जहाँ अभी अनाज रखा जा रहा था वो मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया हैं जिसके चलते हिड़ली में अनाज रखा जा रहा है।हमारे द्वारा गोदाम निर्माण के लिए विभाग को लिखा गया हैं।

-नरेंद्र आर्य, प्रभारी प्रबंधक सहकारिता भीमपुर

खेल मैदान पर सीएम राइज स्कूल निर्माण पड़ा खटाई में

उच्च न्यायालय ने सीएम राइज स्कूल निर्माण पर 18 जुलाई तक बढ़ाई रोक

बैतूल/शाहपुर। उच्च न्यायालय जबलपुर में चौधरी परिवार द्वारा दायर याचिका में शाहपुर नगर के हाईस्कूल मैदान की दान की हुई भूमि पर सीएम राइज स्कूल भवन निर्माण पर स्थगन आदेश और बढ़ा दिया है। उक्त मैदान की भूमि दानदाता चौधरी परिवार के सदस्य दीपक चौधरी, कुलदीप चौधरी ने जबलपुर में अधिवक्ता डीके दीक्षित, अंशुल दीक्षित द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में अपनी याचिका दायर की थी, जिस पर न्यायालय ने पहले 24 जून 2024 तक स्थगन आदेश दिया था। स्थगन आदेश की अवधि में शासन द्वारा न्यायालय में ठोस सबूत ही पेश नहीं कर पाया गया, जिसके चलते जबलपुर हाईकोर्ट द्वारा स्कूल निर्माण कार्य की यथास्थिति को बनाए रखने का 5 जुलाई को पुन: आदेश जारी कर दिया गया। जिसके अनुसार अब स्टे 18 जुलाई तक प्रभावी रहेगा। माननीय न्यायालय ने अपने आदेश में उल्लेख किया है कि प्रतिवादी की ओर से उपस्थित विद्वान वकील का कहना है कि कोई अतिरिक्त उत्तर दाखिल करने की आवश्यकता नहीं है। वह तर्क को संबोधित करने के लिए मामले के रिकॉर्ड पर निर्भर रहेगा। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, न्यायमूर्ति विनय नर्व की संयुक्त पीठ ने दान की हुई खेल मैदान की भूमि पर सीएम राइज स्कूल निर्माण मामले में स्थांगन के निर्देश दिए है।

सुनील हिरानी को मिला 'सक्षम' के जिला संयोजक का दायित्व

मध्य भारत प्रांत कार्यकारिणी के पदाधिकारी दिनेश शर्मा ने की घोषणा

दिव्यांगजनों के विकास हेतु आरएसएस का है राष्ट्रीय प्रकल्प, उत्साह से मनाया गया स्थापना दिवस

बैतूल। विगत दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय प्रकल्प समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल 'सक्षम' का स्थापना दिवस का कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर कालापाठा बैतूल में दीपक कपूर की अध्यक्षता एवं सुनील हिरानी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सक्षम मध्य भारत प्रांत के पदाधिकारी दिनेश शर्मा थे, जिन्होंने अपने उद्बोधन में संस्था द्वारा किए जाने वाले कार्यों का वर्णन किया तथा बताया कि संस्था दिव्यांग जनों के

सर्वांगीण विकास के लिए समाज के सहयोग से कार्य करती है, उनके लिए रोजगार के समान अवसर उपलब्ध कराना, उनकी क्षमता का विकास करना, समाज में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना, उनकी योग्यता को उचित सम्मान प्रदान कर समाज में उनकी समावेशिता के मार्ग प्रशस्त करना, आदि इस संगठन के मुख्य उद्देश्यों पर उन्होंने प्रकाश डाला। अपने मुख्य उद्बोधन में सुनील हिरानी ने बताया कि दिव्यांग जन विलक्षण प्रतिभा के धनी होते हैं, उसे केवल पहचानकर सही दिशा में उन्हें आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। दिनेश शर्मा ने जिला संयोजक के रूप में सुनील हिरानी के नाम की घोषणा की, जिसका अनुमोदन स्वयं सेवक दिनेश सोनी ने किया। दीपक कपूर ने अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ आभार व्यक्त किया। मध्य भारत प्रांत समिति के सदस्य शिशिर कुमार ने जिले के विभिन्न स्थानों से आए दिव्यांग जनों के सेवा कार्यों से उपस्थित जनों को परिचित कराया। समारोह में दिव्यांग जनों को ट्राइसिकल तथा प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में विशेष रूप से बबलू दुबे, प्रवीण गुगनानी, दिनेश सोनी, संजय माकोड़े, भीम धोटे, राजा साहू, दीपक नामदेव, अनिल झाम, शंकर सातनकर, दिनेश जोसेफ, मुगीलाल कासदे भैंसदेही, गोकुल चौधरी, गंगाधर बारस्कर प्रभात पट्टन, यशराज कनाठे आठनेर,श्रीमती रेखा भूमरकर आदि उपस्थित थे।

जिला प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता में 200 से अधिक पौधे हुए रोपित

जजेस कॉलोनी परिसर में औषधीय एवं फलदार पौधों का किया रोपण

बैतूल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैतूल द्वारा रविवार को कालापाठा स्थित जजेस कॉलोनी परिसर में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार पंच-ज अभियान के तहत प्रधान जिला एवं सत्र

न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण के मुख्य अतिथि में 200 से अधिक औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण कर उनकी देखभाल का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण ने सभी नागरिकों से अपील की कि पेड़ों को केवल उनकी आर्थिक या भौतिक आवश्यकता से न देखें बल्कि पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी उनका महत्व समझें। उन्होंने कहा, प्रत्येक वृक्ष में न केवल फल और प्राणवायु देने की क्षमता है, बल्कि यह अन्य जीव-जन्तुओं और पक्षियों का आवास भी है, जो वृक्ष के खत्म होने पर नष्ट हो जाता है। अत- प्रत्येक नागरिक को इसके प्रति संवेदनशीलता अनुभव करनी चाहिए और उसी के अनुसार आचरण करना चाहिए। पौधारोपण कार्यक्रम में श्रीमती दिव्यांगना जोशी पांडे विशेष न्यायाधीश बैतूल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ.कु. महजबीन खान, जिला एवं सत्र न्यायाधीश गण श्रीमती निहारिका सिंह, श्री हेमंत यादव, श्री आशीष टांकले मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती संगीता भारती राठौर तथा जिले के अन्य समस्त न्यायाधीश गण उपस्थित रहे।

अनियंत्रित कार कई वाहनों को टक्कर मारते हुए दुकान में घुसी, लोगों ने की युवकों की धुनाई

बैतूल। जिला मुख्यालय रैन बसेरा के पास एक अनियंत्रित कार कई वाहनों को टक्कर मारते हुए दुकान में घुस गई। घटना से वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया

है। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुँच गई। कार चालक युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। लोगों ने कार चालक युवक की जमकर पिटाई कर दी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार शाम को बैतूल रैन बसेरा चौक के पास तेज गति से आ रही एक कार अनियंत्रित होकर एक अन्य कार और बाइक को टक्कर मरते हुए दुकान में घुस गई। हादसे में कई वाहन छतिग्रस्त हुए है। एक कर में सवार दंपति बाल बाल बच गए। पुलिस के मुताबिक युवकों की लापरवाही के कारण हादसा हुआ है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

माँ ताप्ती ध्वज यात्रा 13 को निकाली जाएगी

बैतूल। बैतूल विरासत समिति के तत्वावधान में माँ ताप्ती भव्य ध्वज यात्रा 13 जुलाई को निकाली जाएगी। विरासत समिति के जिला संयोजक राजू पंवार ने बताया कि यात्रा का यह दूसरा वर्ष है। ध्वज यात्रा कामथ से लेकर माँ ताप्ती मंदिर मुलताई तक निकाली जाएगी। आयोजन को लेकर विरासत समिति मुलताई; जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह रघुवंशी. अध्यक्ष हेमसिंह चौहान, मासोद ब्लाक अध्यक्ष सुदर्शन देशमुख, राकेश चौरे, शेषराव सूर्यवंशी, अशोक धोटे, राजेश पवार, संतोष डोंगरदिए, तीर्थ यादव, मुन्ना बुआड़े, मनोज कामड़ी, प्यारे महाजन, हनी सरदार, रितेश विश्वकर्मा आ द ने सभी से इस यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

मुर्दो को भी करना पड़ता है अंतिम संस्कार के लिए इंतजार !

चिता जलाने के लिए लकड़ियां नहीं मिलने पर टायर से जलाये जा रहे शव

खेड़ी निस्तार डिपो में एक वर्ष से नहीं है अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियां

बैतूल। खेड़ीसांवलीगढ़ में शव को अंतिम संस्कार के लिए कई बार इंतजार करना पड़ जाता है। समय पर अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियां उपलब्ध न होने की वजह से यह स्थिति निर्मित होती है। बैतूल जनपद पंचायत की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत जिसकी आबादी करीब 9 हजार है, यहां किसी ग्रामीण के निधन होने पर चिता की लकड़ियां जुटाना बड़ी चुनौती बन जाता है। कई बार अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियां न मिलने से टायर से भी शव जलाने पड़ते है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खेड़ीसांवलीगढ़ में वन विभाग का निस्तार डिपो भी है लेकिन पिछले करीब एक वर्ष से डिपो से अंतिम संस्कार के लिए लकडिया नहीं मिल पा रही। इस समस्या से जागरुक ग्रामीणों ने दक्षिण वन मंडल वन परिक्षेत्र से लेकर डीएफओ को भी अवगत कराया, लेकिन लम्बे समय से यहां अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी व बांस आदि की व्यवस्था नहीं की गई।

टायरों से शव को जलाने की विवशता

खेड़ी डिपो में जलाऊ लकड़ी न होने के कारण ग्रामीणों को परेशान होना पड़ता है। सर्वाधिक परेशानी गांव में किसी के निधन होने पर चिता के लिए लकडिया जुटाने की होती है। डिपों में लकड़ी न मिलने पर बैतूल से लकड़ियां खरीदकर लाना पड़ता है या फिर मजबूरी में शव टायर से जलाये जाते है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले डिपो में लकड़ी मिल जाती थी तो आसानी से मृतक का अंतिम संस्कार हो जाता था। अब लकड़ी के लिए बैतूल जाना होता है, चिता के लिए लकड़ी बैतूल से लाने में अधिक खर्च के साथ-साथ समय भी जाता है। किसी परिवार में दुख की घड़ी के बीच अपने दिवंगत परिजन के अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियां जुटाने की चिंता दुबले पर दो अषाढ़ जैसी होती है।

पहले हर घरों में भी मिल जाती थी लकड़ियां

ग्राम पंचायत खेड़ी के लोग किसी परिजन का निधन खेड़ी के ताप्ती घाट पर करते है। ग्रामवासी बताते है कि पहले घरों में गैस चुल्हे कम थे, जलाऊ लकड़ी लगभग हर घर में उपलब्ध होती थी। पहले अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीण घरों से लकडिया एकत्रित करवा लेते थे, लेकिन जब से गैस चुल्हे का चलन बढ़ा तो लोगों के घरों में चुल्हे जलना बंद हो गए, ऐसे में घरों में भी लकड़ियां नहीं मिल पाती। दो दिन पहले भी ग्राम में ऐसी ही स्थिति निर्मित हुई। जब एक ग्रामीण के निधन पर अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी नहीं मिल पाई। जब ग्रामीण सहायक परिक्षेत्र कार्यालय में पहुंचे तो उन्हें सहायक परिक्षेत्र अधिकारी भी नहीं मिल पाये। ऐसे में शव के अंतिम संस्कार के लिए बैतूल से लकड़ी आने तक इंतजार करना पड़ा। ग्रामीणों ने इस संवेदनशील मामले में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं डीएफओ दक्षिण वन मंडल विजयानंतम टीआर से डिपो में जलाऊ लकड़ी उपलब्ध कराये जाने की मांग की है।

राजधानी एक्सप्रेस के सामने कूद गया युवक

दो दिन पहले छूटा था जेल से

बैतूल। करीबी कस्बे पाढर के एक युवक ने आज दिल्ली की ओर जा रही राजधानी एक्सप्रेस के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। युवक का पत्नी से विवाद चल रहा था। वह दो तीन दिन पहले ही जेल से छूटा था। घटना शाहपुर के पास बरबटपुर पुल पर हुई। आज राजधानी एक्सप्रेस के पायलट ने रेलवे कंट्रोल नागपुर को सूचना दी थी की बरबटपुर पुल के पास एक व्यक्ति रन ओवर हो गया है। जिसकी जानकारी जीआरपी पुलिस बैतूल को दी गई। बैतूल से पहुंचे जीआरपी आरक्षक दिलीप नरवरे ने मौके पर पहुंचकर मृतक के बारे में जानकारी जुटाई तो उसकी शिनाख्त पाढर के बस स्टैंड निवासी धर्मेंद्र हरिलाल प्रजापति (34) के रूप में हुई। वह बरबटपुर पुल पर खंभा नंबर 803ट्ट1 के पास चलती राजधानी एक्सप्रेस के सामने कूद गया।

जीआरपी ने उसका शव मौके से बरामद कर पीएम के लिए शाहपुर अस्पताल पहुंचाया है। जहां से पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दो दिन पहले ही जेल से छूटा- बताया जा रहा है की मृतक का पत्नी से पारिवारिक विवाद चल रहा था। जिसके चलते वह तीन साल से शाहपुर के पतौवापुरा में रह रही थी। मृतक इसे लेकर ही बार बार वहां जाता था। पिछले 21 जून को उसने शराब पीकर हंगामा भी किया था। जिसके चलते शाहपुर पुलिस ने उसे शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। जहां से उसे जेल भेज दिया गया था।पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

बिरसा मुण्डा स्वरोजगार एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना

नरसिंहपुर। जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार सदस्यों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर के लिए भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत एक लाख से 50 लाख रुपये तक की उद्योग परियोजना में एग्रो प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग और एक लाख से 25 लाख तक सेवा इकाई एवं खुदरा व्यवसाय में ब्यूटी पार्लर, वाहन मरम्मत, फुटवेयर मरम्मत, किराना व्यवसाय, कपड़ा व्यवसाय आदि शामिल है। इसमें आवेदन की आयु 18 से 45 वर्ष, आवेदक 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक न हो और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो। ब्याज अनुदान अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित/ शेष ऋण पर 5 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जायेगा एवं मप्र शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी। इसी प्रकार टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक की स्वरोजगार योजना के लिए हितग्राही की आयु 18 से 55 वर्ष, आवेदक आयकर दाता न हो, और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो। आवेदक द्वारा समस्त mponline.gov.in पोर्टल से आवेदन किया जा सकता है।

चिकित्सकीय सेवा के साथ-साथ प्रताड़ित पुरुषों की आवाज बने डॉ. गोहे दम्पत्ति

डॉ. संदीप गोहे ने पत्नी के साथ शुरू किया सेव इंडियन फैमिली अभियान

बैतूल। सही मायने में डॉक्टर वहीं है जो मरीज की बीमारी को पकड़कर उसका जल्द से जल्द उपचार कर मरीज को तमाम तकलीफों से मुक्ति दे। शारीरिक और मानसिक विकृति मनुष्य और समाज को खोखला बनाती है, इसलिए इस डॉक्टर दम्पत्ति ने लोगों को स्वस्थ रखने के लिए डॉक्टरी का पेशा चुना और समाज को विकृति से बचाने के लिए समाज सेवा का। हम बात कर रहे है डॉ संदीप गोहे की। डॉ गोहे एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. भारती गोहे चिकित्सा के साथ-साथ सेव इंडियन फैमिली संगठन के माध्यम से समाजसेवा में भी जुटे हुए है। यह दम्पत्ति खासतौर से समाज में महिलाओं से प्रताड़ित पुरुषों की आवाज बनकर उन्हें न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ संदीप गोहे का जन्म सारणी में हुआ, इनके पिता सारणी थर्मल पावर स्टेशन में पदस्थ रहे। डॉ संदीप की प्रारंभिक शिक्षा सारणी में तथा उच्च शिक्षा भोपाल से हुई और यहीं उन्होंने बीएचएमएस की डिग्री प्राप्त करने के बाद विभिन्न अस्पतालों में सेवाएं दी। चिकित्सकीय पेशे के साथ-साथ एमए साइकोलॉजी किया और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी काम करने लगे। पिछले कुछ वर्षों से डॉ गोहे पुरूषों के हेल्थ और मानसिक विकास, महिलाओं द्वारा होने वाले अत्याचार और प्रताड़ना पर काम किया और उनकी काउंसलिंग भी

की। इसी दौरान उन्होंने महसूस किया कि समाज में सिर्फ महिलाएं ही नहीं, आज के दौर में पुरुष भी प्रताडना का शिकार हो रहे है। पुरुषों को कभी पत्नी, कभी प्रेमिका, तो कभी करीबी रिश्तेदार झूठे केस फसाते है और वे झूठे आरोपों की वजह से गंभीर अपराधियों की तरह सजा पाते है। उनके लिए न तो कोई कानून है और न ही कोई अधिकार। विगत 13 वर्षों से डॉ. गोहे ने पुरुषों के विरुद्ध बढ़ रहे झूठे अपराधों पर काम करना शुरु किया। डॉ गोहे बताते है कि बैतूल जिले में भी मेट्रो सिटी की तरह ही पुरुषों को झूठे प्रकरणों में फसाया जा रहा है। झूठे प्रकरणों की वजह से सामाजिक मानहानि से आहत होकर पुरुष आत्महत्या तक करने विवश हो रहे है। डॉ. गोहे जिले में भी ऐसे प्रताड़ित और पीड़ित पुरुषों की काउंसिंग कर उन्हें कानूनी ओर भावनात्मक एवं मानसिक रूप से लडने के लिए हौसला दे रहे है। पिछले पांच वर्षों से बैतूल में डॉ गोहे द्वारा एसआईएफ के माध्यम से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी किए है।

डॉ. संदीप के हर कदम की साथी डॉ. भारती

डॉ गोहे के इस समाजसेवा के कार्य में उनकी पत्नी डॉ भारती गोहे, जो मूलत छिंदवाड़ा निवासी है, भी पूरा सहयोग कर रही है। वर्तमान में वे आरएनटीयू यूनिवर्सिटी भोपाल में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत है। भोपाल एवं मुलताई में वे अपना क्लीनिक संचालित करने के साथ-साथ पति के साथ सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़ कर उनका सहयोग करती है।

अशरा मुबारक

इब्राहिम रिज़वी

इस्लाम की हिफाजत और इंसानियत के कल्याण की यात्रा है अशरा मुबारक के नौ दिन

आज चौदह सौ साल बीत जाने के बाद भी इमाम हुसैन की कर्बला की यात्रा और उसके रेगिस्तान की रेत पर जो घटित हुआ उसे ना भूला गया है और ना ही इसे सृष्टि के अंत तक भुलाया जा सकता है।

नए इस्लामी साल की शुरुआत के दूसरे दिन से ही दुनिया के लाखों दाऊदी बोहरा समाज के अनुयाई इमाम हुसैन द्वारा अपनाए गए रास्ते को याद करते हैं और अपनी खुद की यात्रा पर निकलते हैं। मोहर्रम की दूसरी तारीख से मोहर्रम की दसवीं तारीख योमें आशुरा तक हर एक समाज के बाशिंदे की अपने दिल के अंदर एक यात्रा चलती है, हर एक को इन दिनों ऐसा एहसास होता है कि वो कर्बला में इमाम हुसैन के साथ ही है। हर एक की अपने भीतर स्मरण और शोक (दर्द) की यात्रा चलती हैं। अशरा मुबारका में दस दिनों की अवधि है जो कर्बला की त्रासदी और इमाम हुसैन, उनके परिवार और साथियों की दुर्दशा और इस्लाम, न्याय, सच्चाई और अंततः मानवता के लिए उनके रुख को याद करने और याद करने के लिए समर्पित है।

इमाम हुसैन की यात्रा का स्मरण अपने आप में एक यात्रा है। एक ऐसी यात्रा जो, जैसा कि समाज के 53वें धर्मगुरु डॉ .सैयदना मुफ़द्दल सैफुद्दीन बताते हैं। मानव होने के अर्थ के सार को उजागर करती है।

पैगम्बर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन, उनके परिजनों और साथियों पर इराक के तपते रेगिस्तानों से होकर कर्बला तक की यात्रा एक ऐसी यात्रा थी जो अंततः उनकी शहादत में समाप्त हुई। यह एक ऐसी लड़ाई की यात्रा थी जहाँ उन्होंने अभद्रता, अनैतिकता और अमानवीयता की ताकतों के खिलाफ़ अपना अंतिम मोर्चा संभाला। अमरता की ओर एक यात्रा जिसमें उन्होंने स्वर्ग में सबसे ऊंचे पद और मानव जाति के इतिहास में सबसे ऊंचे स्थान प्राप्त किए।

इमाम हुसैन की शहादत के बाद भी, उनके घर की महिलाओं और बच्चों तथा उनके बेटे और उत्तराधिकारी इमाम अली ज़ैन अल-अबिदीन के लिए यह यात्रा जारी रही।

दमिश्क में यजीद के दरबार में जाने के लिए मजबूर होने पर, उनके घर की शहजादीयों को गुलामों की तरह घुमाया गया। जिस पर उन्हें सैकड़ों मील तक सवारी करने के लिए मजबूर किया गया था। छोटे बच्चों के हाथ जानवरों की तरह बंधे हुए थे और शहीदों के सिर भालों की नोक पर उनके सामने उठाए गए थे।

अशरा मुबारक के नौ दिनों में बोहरा समाज के परम पावन सय्यदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब हर वर्ष अलग-अलग देशों और शहरों में वाअज (प्रवचन) करते हैं। आपके साथ इमाम हुसैन का ग़म करने और आपके प्रवचन सुनने के लिए दुनिया भर से बोहरा समाज के लोग जहां सय्यदना साहब वाअज करते हैं वहां उपस्थित होते हैं।

सय्यदना साहब वाअज मे इमाम हुसैन पर हुए ज़ुल्म ज्यादतियों और इमाम हुसैन और उनके ऐहलेबेत (परिजनों) के सब्र का वर्णन करते हैं। उनके परिवार और साथियों द्वारा दिखाए गए साहस और धैर्य का वर्णन करते हैं। तो उपस्थित बड़ी संख्या में समाज के हर छोटे बड़े की आंखों से आंसू निकलते है।

अशरा मुबारक में सय्यदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब इमाम हुसैन की शहादत और कर्बला में जो ज़ुल्म हुआ उसका जिक्र तो करते ही हैं उसके साथ साथ आप अपने उपदेशों में अनेक विषयों को समकालीन जीवन से जोड़ते हैं, हज़ारों साल के इस्लामी इतिहास को दाऊदी बोहरा समुदाय और आज की मानवता के सामने आने वाले मुद्दों के साथ जोड़ते हैं। उपदेश समुदाय के सदस्यों के लिए अपने विश्वास को फिर से जीवंत करने और आधुनिक जीवन की जटिलताओं को समझने के साधन के रूप में काम करते हैं।

पूरे वर्ष, और विशेषकर अशरा मुबारका के दौरान सय्यदना साहब की वाअज मे जिंदगी जीने की सलाह और मार्गदर्शन तो मिलता है। आपके प्रवचनों में इस्लाम के उच्च आदर्शों के साथ किस तरह वतन की वफादारी, देशभक्ति, कानून और उदारता के मूल्यों के साथ हमें रहना है यह सीख भी मिलती है। ऐसे मूल्य जो दाऊदी बोहराओं को उन देशों के आदर्श नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जहां वे रहते हैं और आज के वैश्विक समाज के आदर्श सदस्य हैं। इस वर्ष सय्यदना साहब अशरा मुबारक 1446 हिजरी के अशरा मुबारक की वाअज कराची में करेंगे। मोहर्रम पर वाअज 8 जुलाई से 16 जुलाई तक होगी।

पूर्व छात्र मिलन समारोह में मधुर स्मृतियों को जीवित किया

देवास। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास में 07 जुलाई को पूर्व छात्रों का मिलन समारोह का गरिमामय आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की प्रथम कड़ी में भूतपूर्व विद्यार्थियों का स्वागत महाविद्यालय परिसर के मुख्य द्वार पर एनसीसी कैडेट्स के द्वारा एनसीसी बैंड और पुष्पवर्षा से किया गया। सभागृह में कार्यक्रम का शुभारम्भ मों सरस्वती के अर्चन-वंदन, दीप प्रज्जवलन तथा माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।

मंच पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमोलक सिंह सिद्ध, रिटायर्ड डीआईजी (सीआरपीएफ), पूर्व छात्र संगठन के अध्यक्ष दिलीप सिंह जाधव तथा प्राचार्य डॉ. आर.एस. अनारे उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं आमंत्रित भूतपूर्व विद्यार्थियों का स्वागत मनीष पारिक जनभागीदारी अध्यक्ष द्वारा भाषण से किया गया।

स्वागत भाषण के बाद दिलीपसिंह जाधव द्वारा उपस्थित भूतपूर्व विद्यार्थियों को महाविद्यालय के विकास में सहयोग करने की शपथ दिलाई गई। इस समागम में महाविद्यालय के अध्ययनरत रहे लगभग तीन पीढ़ियों के भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मिलित हुए जिनका समय काल लगभग 1956 लेकर वर्तमान तक है।

अमोलक सिद्ध, दिलीपसिंह जाधव, मोहन वर्मा, प्रयास गौतम, ओम जोशी, गोपालजी जोशी, हेमंत , गुरचरण सलूजा, किशोर दुबे, साधना काले, देवेंद्र पंडित, मांगीलाल, हेमन्त निगम, अजीत भल्ला, अनिल सिकरवार, डॉ. सीमा सोनी, संग्रामसिंह साठे, भरतसिंह चौधरी, मिलिंद भैया, योगेश रघुवंशी, महेश सोनी, जैसे अनेकानेक सम्माननीय भूतपूर्व विद्यार्थियों ने अपने-अपने शब्दों में अपनी बात अपनी स्मृतियों को पुनः जीवित करते हुए समागृह में रखी।

सभी ने इस बात को तहेदिल से स्वीकार किया कि आज वे समाज में जिस स्थान पर है उसमें किसी न किसी रूप में इस महाविद्यालय में अध्ययन काल में जो जाना, सीखा और समझा उसकी बहुत बड़ी भूमिका रही है और सभी इस बात से भी आश्वस्त है कि यह महाविद्यालय केवल शिक्षा का एक प्लेटफार्म ही विद्यार्थी को नही देता बल्कि जीवन के बहुआयामों पर कार्य करने में और सफलता दिलाने में सक्षम बनाता है। महाविद्यालय में गठित भूतपूर्व विद्यार्थी (एएलयूएमएनआई) समिति ने महाविद्यालय को विश्वास दिलाया है कि वे सभी स्वस्थ सोच के साथ हर पल प्रत्येक स्तर पर महाविद्यालय के विकास व उन्नति में एक साथ कार्य करेगें व सभी प्रयासों में साथ रहेगें।

देवेन्द्र पण्डित ने कार्यक्रम के प्रारम्भ में और समापन पर अपनी मधुर आवाज से गीत प्रस्तुत कर सभागार को आंनमय और खुशनुमा बना दिया। सरस्वती वंदन और प्रेरणा गीत की प्रस्तुती उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 02 देवास के विद्यार्थियों ने दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस.पी.एस. राणा ने किया एवं आभार प्रदर्शन जनभागीदारी समिति सदस्य डॉ. जसमतसिंह यादव ने माना। समन्वय का कार्य डॉ. संजय गाडगे, डॉ. आर. के. मराठा, डॉ. रश्मि ठाकुर एवं संग्रामसिंह साठे ने किया। इस समागम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, सहा. प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

जय जगदीश के जयकारों से गूंजा शहर

शहर के प्रमुख मार्गों पर निकली भव्य रथयात्रा,जगह-जगह हुआ स्वागत

देवास। अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय खाती समाज के तत्वाधान में रविवार को शहर के प्रमुख मार्गों पर भगवान जगदीश की भव्य रथयात्रा निकाली गई। सुबह 9.30 बजे भोपाल चौराहा स्थित परिणय वाटिका में रथ पर सवार भगवान जगदीश की भव्य आरती समाजजनों द्वारा की गई। उसके बाद रथयात्रा शुरु हुई जो भोपाल चौराहा, शालिनी रोड,एमजी रोड़ होते हुए सयाजीद्वार से एबी रोड़ होते हुए उज्जैन चौराहा पहुंची यहां से रथयात्रा उज्जैन कार्तिक मंदिर के लिए रवाना हो गई। रथ यात्रा में बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग शामिल हुए। शहर के प्रमुख मार्गो पर रथयात्रा का कई सामाजिक संगठनों द्वारा जगह-जगह स्वागत किया। यात्रा में भजन गायक जितेन्द्र पटेल द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी गई। भजनों पर यात्रा में शामिल युवा झुमते रहे। जिलाध्यक्ष डालचंद कलमोदिया,युवा संगठन अध्यक्ष लड्डूमल चौधरी ने बताया कि प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी शहर में भव्य रुप से भगवान जगन्नाथ उनके भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा जी की रथयात्रा निकाली गई। भक्तों द्वारा रस्सी के माध्यम से रथ को खिंचकर यात्रा प्रारंभ हुई जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासियों ने भाग लिया। यात्रा में मुख्य रूप से हाटपिपलिया विधायक मनोज चौधरी, किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विक्रम मुकाती, बहादुर मुकाती, नारायण सिंह चौधरी, प्रदीप चौधरी, मुकेश पटेल जनपद अध्यक्ष, मुकेश चौधरी, नरेंद्र मुकाती, गणेश पार्षद, शिवम चौधरी जिला पंचायत सदस्य, विजेंद्र पटेल जिला पंचायत सदस्य, रविंद्र चौधरी जिला पंचायत सदस्य, रामचरण पटेल पार्षद , मुकेश मुकाती चन्दाना, राहुल गरीब किसान, कृष्णा मुकाती, राजु अकेला,श्याम पटेल तहसील अध्यक्ष, सचिन पटेल, कमलेश पटेल, गणेश पटेल नावदा, सचिन चौधरी, राज कलमोदिया एवं सभी समाज जन उपस्थित थे।

जय जगन्नाथ के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा गगन, रथयात्रा में आस्था का जन सैलाब

त्रिलोकीनाथ बाबा धारनाथ की धरा पर हरि और हर के मिलन सा नजारा

धार से राजेश शर्मा

एक और पावन जगन्नाथपुरी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा से जगमग है.. देश और दुनियाभर से जगन्नाथ के भक्त अपने पालनहार (जगत के नाथ) की रथयात्रा में शामिल हो कर भावविभोर है । जगन्नाथपुरी की रथयात्रा की तर्ज पर उत्साह और उमंग की बेला में बाबा धारनाथ की पावन धारा नगरी में रविवार का दिन ऐसा लग रहा था मानों जय- जय जगन्नाथ के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा हो गगन , रथयात्रा में आस्था के जन सैलाब से धर्मधरा धार नगरी जगन्नाथमय नजर आ रही थी। बाबा धारनाथ की धरा पर हरि और हर के मिलन सा अद्भुत नजारा ... क्या बच्चे, क्या बुजुर्ग - मातृशक्ति हर कोई जगन्नाथ की रथयात्रा में शामिल हो कर अपने को धन्य मान रहा था। त्रिमूर्ति नगर स्थित सांवरिया सेठ मंदिर ,सांवरिया सेठ भक्त मंडल एवं 18 महापुराण समिति के तत्वावधान में निकाले जाने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा के तीसरे वर्ष जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत मोती बाग चौक से प्रारंभ हुई। रथ यात्रा में वैदिक मंत्रोचार के साथ भगवान जगन्नाथ भगवान बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के विग्रह को विराजित किया ।

महाआरती के साथ रथयात्रा प्रारंभ करने का उद्घोष किया गया- भोज उत्सव समिति अध्यक्ष सुरेश जलोदिया, सी एस पी वास्केल, डी एस पी आनंद तिवारी ,नगर निरीक्षक समीर पाटीदार ,हिंदू नेता अशोक जैन द्वारा भगवान जगन्नाथ ,बलभद्र एवं सुभद्रा जी को पुष्पमाला अर्पित कर भगवान को मोहन भोग लगाया । महाआरती के साथ रथयात्रा प्रारंभ करने का उद्घोष किया गया। सांवरिया सेठ भक्त मंडल के सदस्य स्वयं प्रकाश सोनी ,अशोक मनोहर जोशी, डॉ अशोक शास्त्री, संतोष पांडेय,ओमप्रकाश सोलंकी विष्णु राठौर के द्वारा भगवान जगन्नाथ जी की विधि विधान से आरती की गई ।

पुष्प वर्षा से शहर की सड़के फूलों से पटी पड़ी थी- रथ यात्रा मोती बाग चौक से होते हुए राजवाड़ा पहुंची जहां पर भगवान जगन्नाथ और रथयात्रा का अभूतपूर्व स्वागत किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों से भी काफी श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन करने एवं उनका रथ खींचने के लिए शामिल हुए। भक्त गण झाड़ू लगाते हुए चल रहे थे वहीं सांवरिया सेठ भक्त मंडल के सदस्य कीर्तन करते हुए एवं जय जगन्नाथ के उद्घोष करते हुए आगे आगे चल रहे थे। यात्रा घोड़ा चौपाटी होते हुए त्रिमूर्ति नगर पहुंची जहां पर विभिन्न संप्रदाय एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा भगवान जगन्नाथ का स्वागत किया गया। त्रिमूर्ति नगर चौराहे से यात्रा श्री सांवरिया सेठ मंदिर पहुंची जहां पर भगवान जगन्नाथ जी के विग्रह को सांवरिया सेठ मंदिर में स्थापित किया गया। महाआरती, भगवान जगन्नाथ जी को 56 भोग का प्रसाद अर्पित कर महाप्रसादी प्रारंभ हुई

रथ का निर्माण सांवरिया सेठ भक्त मंडल एवं 18 महापुराण समिति ने किया - रथयात्रा का विशेष आकर्षण आषाढ की द्वितीया को भगवान श्री जगन्नाथ की पुरी से रथ यात्रा प्रारंभ होती है इसी क्रम में धार में भी रथयात्रा निकाली गई। इस बार रथ का निर्माण सांवरिया सेठ भक्त मंडल एवं 18 महापुराण समिति के सदस्यों के सहयोग से किया गया। करीब 4 किलोमीटर लंबी रथ यात्रा को मोती बाग चौक से त्रिमूर्ति नगर पहुंचने में 4 घंटे का समय लगा । जगह -जगह पुष्पवर्षा की गई । श्रद्धालुओं, व्यापारी बंधुओं द्वारा भगवान जगन्नाथ जी की आरती की गई। समिति के अध्यक्ष स्वयं प्रकाश सोनी ,मीडिया प्रभारी अशोक शास्त्री रथ यात्रा संयोजक अशोक जैन,रथ यात्रा प्रमुख संतोष पांडे,अशोक मनोहर जोशी एवं ओमप्रकाश सोलंकी ने आभार व्यक्त किया।

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद द्वारा सातवां बालिका सम्मान समारोह विद्यांजलि का आयोजन

नरसिंहपुर। सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद द्वारा विगत 6 वर्षों से बालिका प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष भी परिषद की सहयोगी बहनों के सहयोग से बालिका सम्मान विद्यांजलि का आयोजन पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन एवं मोनिका तिवारी एवं प्रियंका गोस्वामी जी द्वारा गाई गई सरस्वती वंदना एवं श्रीमती कामिनी दुबे जी की गणेश वंदना गई। इस कार्य क्रम में परिषद द्वारा 10ह्द्ध एवं 12ह्द्ध में 80त्न और इससे ऊपर प्राप्त करने वाली बालिकाओं को शील्ड , प्रमाण पत्र एवं उनकी माताजी का शाल, श्रीफल से सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष यह कार्यक्रम परिषद की जिला अध्यक्ष श्रीमती विवेक पांडे जी की अध्यक्षता में, सुश्री अनुराधा भार्गव जी के मुख्य आतिथ्य में,परिषद के वरिष्ठ, संरक्षक, मार्गदर्शक, विशिष्ट अतिथि श्रीमती गीता दुबे, श्रीमती मालती त्रिवेदी, श्रीमती सरोज शर्मा, श्रीमती सरला पांडे ,श्रीमती उर्मिला भाटली जी उपाध्यक्ष अरुणा दुबे जी, करेली से श्रीमती नीतू आचार्य जी, गोटेगांव ब्राह्मण महिला परिषद की अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खेमरिया जी की उपस्थिति में ,10ह्द्ध की 16 प्रतिभावान बालिकाओं एवं 12ह्द्ध की 20 प्रतिभावान बालिकाओं को परिषद की समस्त बहनों द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सफल मंच संचालन श्रीमती ज्योति तिवारी, श्रीमती नंदिता चौबे, श्रीमती सपना शर्मा एवं श्रीमती मनीषा पुरोहित द्वारा किया गया।सम्मान समारोह में परिषद की श्रीमती पूर्णिमा शुक्ला श्रीमती मंजूलता पांडे श्रीमती संचिता दुबे, श्रीमती ममता मिश्रा,श्रीमती चेतना दुबे ,श्रीमती भारती दीक्षित, श्रीमती सुषमा मिश्रा, श्रीमती संगीता दुबे, श्रीमती शिवानी दीक्षित ,श्रीमती सोनल दुबे, श्रीमती नीता भारद्वाज, श्रीमती रक्षापालीवाल, श्रीमती शालू शर्मा, श्रीमती मंजू दुबे,श्रीमती वत्सला त्रिवेदी, श्रीमती रचना त्रिवेदी, श्रीमती अंजना तिवारी, श्रीमती सीमा स्थापक ,श्रीमती प्रीति तिवारी, श्रीमती सुनीता शर्मा, श्रीमती ज्योति पचौरी,श्रीमती दीपशिखा तिवारी, श्रीमती रुक्मणी ढिमोले, श्रीमती सुषमा शर्मा , श्रीमती अंजना दुबे के साथ ही गोटेगांव एवं करेली की विप्र मातृशक्तियां बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं ।

अमृत संचय अभियान में हुआ आनंद सभा का आयोजन, कलेक्टर ने बच्चों को समझाया पानी का महत्व

देवास। देवास ग्रीन्स टाउनशिप में आयोजित आनंद सभा-अमृत संचय अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में देवास जिला कलेक्टर ऋषव गुप्ता एवं संचालनकर्ता के रूप में डॉ समीरा नईम उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सहयोगी अतिथि के रुप में डॉ सुनील चतुर्वेदी , गंगा सिंह सोलंकी, श्रीकांत उपाध्याय, विपिन पंड्या, कृपाली राणा, साफिया कुरैशी, हिमांशु कुमावत एवं मीना राठौर की सम्मानजनक उपस्थिती भी रही। आनंद सभा का प्रारंभ डॉ समीरा नईम द्वारा बच्चों को घोड़ा बदाम छई खेल खिलाकर किया। उसके बाद उपस्थित सभी बच्चों को अपने मन के भावों को चित्रों के रूप में उकेरने हेतु प्रेरित करते हुए चित्रकला करवाई गई एवं बच्चों को कागज की नाव बनाना भी सिखाया गया। इस दौरान डॉ नईम वहां उपस्थित बच्चों के साथ बहुत गर्म जोशी से पेश आई और बच्चों के साथ उन्होंने मित्रता भी की। बच्चे सहज ही डॉ समीरा नईम के साथ घुल मिल गए। तत्पश्चात आनंद सभा के मुख्य अतिथि कलेक्टर ऋषभ गुप्ता का आगमन हुआ उन्होंने ने काफी समय आयोजन में बिताया और वर्षा जल संरक्षण का महत्व बताते हुए बच्चों के एवं हमारे आने वाले भविष्य के लिए पानी के महत्व और आवश्यकता पर प्रकाश डाला। आपने वर्षा जल संरक्षण, बोरी बंधान, पानी का सदुपयोग,

सीड बॉल, और विशिष्ट प्रकार के पेवर्स ब्लॉक के विषय में जानकारी दी। श्री गुप्ता काफी सहज दिखाई दिए एवं उन्होंने वहां उपस्थित बच्चों एवं बड़ों को भी सहजता से अपने संवाद में शामिल कर लिया। श्री गुप्ता द्वारा देवास ग्रीन्स टाउनशिप के उद्यान संयोजक राजेश का सम्मान फिक्स्ड डिपॉजिट प्रदान करके किया गया। कार्यक्रम का समापन बच्चों एवं नारी शक्ति को चॉकलेट और शीतल पेय वितरित करके किया गया। आभार देवास ग्रीन्स टाउनशिप के निदेशक एवं प्रेरणा स्त्रोत संग्राम सिंह घार्गे ने माना।

आज हो सकता है मोहन मंत्रिमंडल का विस्तार

कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए रामनिवास रावत बनेंगे मंत्री, कमलेश शाह भी ले सकते हैं शपथ

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव मंत्रिमंडल का विस्तार आज यानी सोमवार को हो सकता है। इसमें कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए रामनिवास रावत मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, राजभवन में सुबह 9 बजे शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।

रावत के अलावा अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार कमलेश शाह को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। हालांकि, इस पर अंतिम निर्णय बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति की भोपाल में हो रही बैठक के बाद आज देर शाम लिया जाएगा।

फिलहाल प्रदेश मंत्रिमंडल में 4 पद खाली हैं, जिन्हें भरा जाना है। वर्तमान में डॉ. मोहन सरकार में 30 मंत्री हैं। मंत्रिमंडल में अधिकतम 34 मंत्री हो सकते हैं। रावत को मंत्रिमंडल में शामिल होने से पहले विधानसभा की सदस्यता छोड़नी होगी।

शाह 29 मार्च को, रावत 30 अप्रैल को बीजेपी में आए थे

श्योपुर की विजयपुर सीट से 6 बार के विधायक रामनिवास रावत ने 30 अप्रैल 2024 को कांग्रेस छोड़ी थी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और बीजेपी जॉइनिंग टोली के मुखिया नरोत्तम मिश्रा की मौजूदगी में श्योपुर के एक कार्यक्रम में बीजेपी की सदस्यता ली थी।

वहीं, छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा से विधायक रहे कमलेश शाह ने 29 मार्च 2024 को विधायक पद से

इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन की थी। उन्होंने सीएम हाउस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के सामने बीजेपी की सदस्यता ली थी। शाह 2023 में तीसरी बार विधायक चुने गए थे।श्योपुर के एक राजनीतिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रामनिवास रावत को बीजेपी की सदस्यता दिलाई थी।

कमलेश शाह की सीट अमरवाड़ा में, 10 जुलाई को मतदान

कमलनाथ के खास रहे कमलेश शाह ने बीजेपी जॉइन करने के साथ ही विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के चलते अमरवाड़ा विधानसभा का उपचुनाव भी हो रहा है। इसके लिए 10 जुलाई को मतदान और 13 जुलाई को मतगणना होगी।

इस सीट से कांग्रेस ने धीरन शाह इनवाती को प्रत्याशी बनाया है। धीरन शाह आंचलकुंड दरबार के सेवक सुखराम दादा के बेटे हैं। वहीं, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने यहां से अपने युवा चेहरे देवीराम उर्फ देव रावेन भलावी पर फिर दांव लगाया है।

अमरवाड़ा आदिवासी बहुल सीट है। यहां आदिवासियों का हर्ई राजघराना, गोंगपा और आंचल कुंडधाम तीनों से जुड़ाव है। ऐसे में ये चुनाव दिलचस्प हो गया है। कमलेश शाह मौजूदा विधानसभा में ऐसे पहले विधायक थे, जिन्होंने दल बदला।

कांग्रेस ने लगाई विधानसभा सदस्यता खत्म करने की पिटीशन

कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के पास रावत और बीना विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता खत्म करने के लिए पिटीशन लगाई है। अब 3 महीने के अंदर विधानसभा अध्यक्ष तोमर को इनकी सदस्यता के मामले में फैसला लेना होगा।

शुक्रवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों के दल ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस का विधायक होने के बावजूद बीजेपी जॉइन करने का ऐलान करने और चुनावी सभा में बीजेपी के मंच पर कांग्रेस छोड़ने की बात कहने वाले विधायकों की सदस्यता खत्म करने संबंधी पिटीशन उनके समक्ष दायर करते हुए ज्ञापन सौंपा।

इस पिटीशन के बाद अब रावत और सप्रे की सदस्यता खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में या तो ये दोनों ही विधायक कांग्रेस विधायक पद से जल्द इस्तीफा देंगे या फिर विधानसभा अध्यक्ष इनकी सदस्यता खत्म करने का फैसला लेंगे।

कांग्रेस विधायक दल ने रामनिवास रावत और निर्मला सप्रे की सदस्यता खत्म करने को लेकर विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर पिटीशन दर्ज कराई थी।

अभी मंत्रिमंडल में किसके पास- क्या विभाग

3 दिसंबर 2023 को मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। 8 दिन बाद 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद पर डॉ. मोहन यादव और दो उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा का चयन किया गया। इसके 2 दिन बाद 13 दिसंबर को सीएम और दोनों डिप्टी सीएम ने शपथ ली। 12 दिन बाद 25 दिसंबर को मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। 28 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। मंत्रिमंडल विस्तार के 5 दिन बाद 30 दिसंबर को मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने बाबा महाकाल के दर्शन व पूजा- अर्चना की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज श्री महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन में बाबा महाकाल की पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश एवं प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगल कामना की। मंदिर में श्री आशीष पुजारी, श्री विजय गुरु,श्री राजेश गुरु और श्री महेश पुजारी ने विधिवत पूजा संपन्न कराई।

विधायक श्री अनिल जैन कालूखेड़ा, श्री विवेक जोशी, श्री ओम जैन आदि जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने की भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने रविवार सुबह उज्जैन के जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगलकामनाएं की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परंपरा अनुसार पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को लेकर चहुँओर बड़ा ही हर्ष और आनंद का वातावरण हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, श्री विवेक जोशी, श्री सत्यनारायण खोईवाल, श्री संजय अग्रवाल और श्री रवि शंकर वर्मा आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ग्वालियर में ट्रेन की चपेट में आकर दो युवकों की मौत, लोग बोले- उतरते समय गिरे

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में ट्रेन की चपेट में आकर दो युवकों की मौत हो गई। घटना रविवार दोपहर 12 बजे की है। ट्रेन झांसी की ओर से ग्वालियर आ रही थी। युवकों के शव झांसी रोड इलाके में तपोवन के सामने रेलवे ट्रैक के किनारे मिले। कुछ लोगों का कहना है कि दोनों युवक ट्रेन की स्पीड कम होने पर उतरने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

रतलाम के श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में छापा

रतलाम (नप्र)। रतलाम के डेलनपुर स्थित श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने रविवार दोपहर रेड की। स्कूल में बड़ी तादाद में किताबें और यूनिफॉर्म जब्त की गई हैं। किताबों में एक भी एनसीईआरटी की नहीं मिलीं। तहसीलदार ऋषभ ठाकुर, डीईओ केसी शर्मा समेत अन्य अधिकारी जांच कर रहे हैं।

मरीजों को सहज एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय सुनिश्चित करें : उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाताओं ने विभाग के सशक्तिकरण के प्रयासों के लिए किया आभार व्यक्त

भोपाल (नप्र)। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से मध्यप्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं ने भोपाल के निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की। अधिष्ठाताओं ने पे-प्रोटेक्शन, लीव-प्रोटेक्शन, सर्विस-प्रोटेक्शन और नॉन-प्रैक्टिसिंग एलाउंस के बारे में उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल द्धारा किये जा रहे प्रयासों के लिये आभार व्यक्त किया। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रों की शिक्षा बेहतर करने के लिये प्रयास करें। समस्त अधिष्ठाता अस्पताल के अधीक्षकों के साथ समन्वय कर मरीजों को सहज और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को अधिष्ठाताओं ने महाविद्यालय के संचालन, अधोसंरचणात्मक विकास एवं उन्नयन, प्रशासनिक व्यवस्था, वित्तीय आवश्यकता और मेंटेनेंस सहित अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताओं के संबंध में अवगत कराया। उप-मुख्यमंत्री ने शीघ्र आवश्यक सहयोग मुहैया कराने की बात कही।

मेडिकल कॉलेज में प्रशासकीय अधिकारी (वित्त) की नियुक्ति, महाविद्यालयों के उन्नयन, हॉस्टल और अस्पतालों के सिविल और इलेक्ट्रिक उपकरणों के मेंटेनेंस, लेक्चर हॉल और प्रदर्शक रूम को स्मार्ट क्लास में विकसित करने

के लिये बजट उपलब्ध कराने का अधिष्ठाताओं ने अनुरोध किया। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सहभागिता के लिये नीति बनाने का अनुरोध किया ताकि चिकित्सा शिक्षक और छात्र अपनी रिसर्च को विश्वस्तरीय प्लेटफार्म पर प्रस्तुत कर सकें। बैठक में डॉ प्रमेंद्र सिंह ठाकुर अधिष्ठाता बीएमसी सागर, डॉ. कविता सिंह अधिष्ठाता जीएमसी भोपाल, डॉ. धाकड अधिष्ठाता ग्वालियर,डॉ सुनील अग्रवाल अधिष्ठाता रीवा, डॉ. परमहंस अधिष्ठाता शिवपुरी, डॉ. मनीष निगम अधिष्ठाता विदिशा और डॉ मरावी अधिष्ठाता दतिया शामिल हुए।

रथ पर निकले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा

उज्जैन, इंदौर, भोपाल समेत प्रदेशभर में उत्सव ; भक्तों ने खींचा रथ

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में भी आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को कई जगहों पर जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा में कुल तीन रथ शामिल हैं, जिनमें से एक में प्रभु जगन्नाथ, दूसरे में उनके भाई बलभद्र और तीसरे में उनकी बहन सुभद्रा विराजमान हैं।

मिनी जगन्नाथपुरी के नाम से प्रसिद्ध विदिशा के मानोरा गांव में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा तड़के से शुरू हो गई थी। मानोरा में इस धार्मिक यात्रा का आयोजन तीन दिन तक किया जाता है। इस वर्ष यह शनिवार से शुरू हो गया है। सोमवार तक चलेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी साधना सिंह ने दोपहर करीब साढ़े 12 बजे भगवान जगदीश स्वामी के मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उज्जैन, भोपाल, हरदा और देवास समेत प्रदेश के कई शहरों में रथ यात्रा उत्सव मनाया जा रहा है।

भोपाल में जयघोष के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की यात्रा

रानी कमलापति स्टेशन से भगवान जगन्नाथ की यात्रा शुरू हो गई है। हजारों भक्त भजन करते हुए नाचते-गाते यात्रा के साथ चल रहे हैं। भक्तों में रथ खींचने की होड़ लगी है। जगह-जगह पुष्पवर्षा से यात्रा का स्वागत हो रहा है। इस्कॉन भेल भोपाल के अध्यक्ष रसानंद दास ने बताया कि रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा महारानी का नेत्रों उत्सव कराया गया। रथ यात्रा के पहले भगवान जगन्नाथ को पांच सौ से ज्यादा भोग अर्पित किए गए।

रास्ते भर बंटा महाप्रसाद

यात्रा में रास्ते भर विभिन्न प्रकार के फलों का वितरण होगा। सामाजिक सहयोग से पूरे समय 5 हजार केले व अन्य फल वितरित किया। ऐसे अलावा 200 किलो मीठी बूंदी का प्रसाद भी भक्तों को बांटा जाएगा। वहीं, रथयात्रा के लिए वृंदावन, सीहोर, गंजबासौदा, उज्जैन, इंदौर, रतलाम, हरदा, भोपाल की कीर्तन पार्टी आएंगी जो रास्तेभर में कीर्तन करते हुए चल रही थे। वहीं, भगवान जगन्नाथ खाने के लिए प्रसिद्ध हैं, इसलिए भगवान को 501 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया। यह भोग गृहस्थ भक्त घर से बनाकर लाएंगे। इसके अलावा कोई भी भगवान को भोग अर्पित कर सकता है।

भोपाल में आगाज-3 हेरिटेज कार रैली

बेगम्स ऑफ भोपाल के लुक में पहुंचीं पार्टिसिपेंट, बोलीं- आम की गुठलियां लेकर चलते हैं साथ

भोपाल (नप्र)। बेगम्स ऑफ भोपाल और राग भोपाली की ओर से आगाज-3 हेरिटेज कार रैली का आयोजन किया जा रहा है। रैली की शुरुआत 10 नंबर स्थित राग भोपाली से सुबह 9:30 बजे हुई, जो गोलघर से होते हुए लेक व्यू के ड्राइव-इन सिनेमा पर खत्म हुई। इस कार रैली में महिलाएं शहर की हेरिटेज साइट्स और मॉन्यूमेंट्स तक जाएंगी और यहां की विरासत के बारे में समझेंगी।

क्या बोलीं पार्टिसिपेंट- ज्योति रात्रि ने बताया कि वह इलेक्ट्रिक व्हीकल लेकर आई हैं। कार्बन फुटप्रिंट थीम पर कार सजाई है। मैं संदेश देना चाहती हूं कि जितना हो सके हमें कार्बन को कम करना है। मैंने डीजल गाड़ी से ई

व्हीकल कन्वर्ट किया है। जिस चीज से मैंने यह डिजाइन की है । यह भी कपड़े पर है। बाद में इस कपड़े के मैं कैरी बैग बना लूंगी।

मॉडर्न और ट्रेडिशनल स्टाइल के फ्यूजन कांबिनेशन वाली ड्रेस में पहुंची मधु मेहता ने बताया कि उन्होंने अपनी कार को पर्यावरण के कई संदेश देकर सजाया। हमने सेफ ड्राइविंग का भी संदेश दिया है। लोग सेफ ड्राइव करें सीट बेल्ट लगाकर कर चलाएं ताकि सुरक्षा बनी रहे।

एक अन्य प्रतिभागी अनीता ने बताया कि वह अपनी गाड़ी के साथ कुछ आम की गुठालियां लेकर चलती हैं। जहां भी मौका मिलता है वह इन गुठलियों या सीड्स को डाल देती हैं। इस तकनीक से भी पौधे लगाए जा सकते हैं। हमने अपनी गाड़ी को भी पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। उन्होंने बताया कि वह जो ड्रेस पहन कर आई है यह एक तरह का भोपाल की बेगम का ड्रेस है।

कही-सुनी

क्या सिंहदेव होंगे पीसीसी अध्यक्ष?

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

कहते हैं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के लिए टी एस सिंहदेव का नाम चल रहा है। माना जा रहा है कि कांग्रेस संगठन में जल्द बदलाव होगा। धारणा है कि दीपक बैज के नेतृत्व में विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा। इस कारण संगठन का नेतृत्व किसी नए को सौंपा जाना चाहिए। प्रदेश की राजनीति में सिंहदेव का नाम बड़ा होने के साथ पार्टी को मजबूत करने के लिए आर्थिक दृष्टि से उन्हें सक्षम बताया जा रहा है। सिंहदेव कांग्रेस की सरकार में उप मुख्यमंत्री थे, उसके पहले नेता प्रतिपक्ष थे। सिंहदेव निजी कारणों के चलते लोकसभा चुनाव में ज्यादा सक्रिय नहीं थे। खबर है कि अब वे हाईकमान की तरफ से सौंपी जाने वाली जिम्मेदारी संभालने को तैयार हैं। चर्चा है कि संगठन में बदलाव की खबरों के चलते कांग्रेस विधायक दल के उपनेता का चयन भी अटका है। अब देखते हैं कांग्रेस में बदलाव होता है या फिर पुरानी टीम ही चलती रहती है।

मंत्रिमंडल का विस्तार लटका

चर्चा है कि विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का विस्तार फिलहाल टल गया है। कहा जा रहा है कि अब विधानसभा के मानसून सत्र के बाद ही संभावना लग रही है। साय मंत्रिमंडल में अभी दो मंत्री पद खाली हैं। खबर है कि नए-पुराने विधायकों के चक्कर में मामला लटक गया है। मंत्रिमंडल में खाली दो जगह के लिए नए और पुराने कई विधायक दावेदार हैं। मंत्री के लिए पिछले एक पखवाड़े के भीतर कई विधायकों के नाम चले। कई लोगों ने अपने -अपने तरीके से लॉबिंग भी की।

मंत्री जी का शेडो पीए

छत्तीसगढ़ के एक मंत्री जी के शेडो पीए की बड़ी चर्चा है। कहते हैं कि शेडो पीए के बिना मंत्री जी के दफ्तर का पत्ता भी नहीं खड़कता है। खबर है कि शेडो पीए ही कामकाज का बंटवारा करते है और मंत्री जी के विभाग के अफसरों को दिशा-निर्देश देते हैं। कहा जाता है कि शेडो पीए ने भाजपा से जुड़े कुछ लोगों के कामों में अड़ंगा लगा दिया और उनकी मुराद पूरी नहीं होने दी। बताते हैं इससे भाजपा से जुड़े लोग खफा हो गए हैं और शेडो पीए के बारे में शिकायत ऊपर तक पहुंचा आए हैं। शेडो पीए पिछली सरकारों में केंद्र बिंदु में रहे हैं और चर्चा में भी, पर इस बार गुमनाम रहते हुए भी सुर्खियों में हैं।

उप मुख्यमंत्री के तमगे पर शोर

कहते हैं भाजपा शासित राज्यों में उप मुख्यमंत्री के पद को लेकर शोर मचने लगा है। भाजपा ने 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद उप मुख्यमंत्री का फार्मूला लागू किया। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में दो-दो उप मुख्यमंत्री बनाए गए। शीर्ष स्तर पर माना जाने लगा है कि इस फार्मूले में राज्यों में पावर सेंटर बढ़ गए हैं। इससे सत्ता संतुलन गड़बड़ाने लगा है। खबर है कि इस फार्मूले की समीक्षा होने लगी है। भाजपा हाईकमान ने जातीय और क्षेत्रीय संतुलन के लिए इस फार्मूले को अपनाया। अब इस फार्मूले पर ही शोर मचने लग गया है। देखते हैं नतीजा क्या निकलता है ?

पवनदेव का बंद लिफाफा कब खुलेगा

कहते हैं आईपीएस अधिकारी पवनदेव के एडीजी से डीजी प्रमोशन वाला बंद लिफाफा खुलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। खबर है कि पवनदेव के पुराने मामले का निराकरण कर उन्हें प्रमोट करने की कवायद चल पड़ी है। सरकार ने विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर पिछले दिनों 1992 बैच के आईपीएस अरुणदेव गौतम और 1994 बैच के आईपीएस हिमांशु गुप्ता को डीजी बनाने का आदेश जारी किया,लेकिन 1992 बैच के आईपीएस पवनदेव का पुराना मामला पेंडिग होने के कारण विभागीय पदोन्नति समिति ने इनके नाम का लिफाफा बंद कर दिया। अब पवनदेव के लिफाफा खुलने का इंतजार है।

नहीं आया मौसम

आमतौर पर 15 से 30 जून के बीच ट्रांसफर का सीजन आ ही जाता है, भले ट्रांसफर पर प्रतिबंध होता है, लेकिन व्यवस्था की दृष्टि से कुछ ट्रांसफर तो हो ही जाते हैं। निचले स्तर के न सही, कलेक्टर-एसपी और कुछ बड़े अफसरों के तबादले के आदेश तो निकल ही जाते हैं। इस बार मौसम ठंडा रहा। जैसे बादल आते हैं और बिना बरसे ही चले जाते हैं, ऐसा ही कुछ अफसरों के ट्रांसफर के मामले में देखा गया। तबादलों का हल्ला हुआ, पर आदेश कुछ नहीं निकला। खबर है कि फिलहाल तो शांति बनी रहेगी। कलेक्टर-एसपी की लिस्ट आने की भी उम्मीद कम ही है।

जीपी के मामले को केंद्र ने राज्य पर छोड़ा

कहते हैं जीपी सिंह के मामले में विचार के लिए केंद्र सरकार ने राज्य सरकार पर छोड़ दिया है। बर्खास्तगी के मामले में कैट से आईपीएस अफसर जीपी सिंह जीत गए हैं। कैट के फैसले के आधार पर उन्हें बहाल करना है। खबर है कि राज्य सरकार ने बहाली का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। अब केंद्र सरकार ने मामले पर पुनर्विचार की टिप्पणी के साथ गेंद राज्य सरकार के पाले में डाल दिया है।

बीज निगम के एमडी का चार्ज सारांश को

सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध संचालक का प्रभार कृषि संचालक सारांश मित्तर को दे दिया है। अब तक दूरसंचार सेवा के अधिकारी पोषण चंद्राकर बीज निगम के एमडी थे, उनकी प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी होने के कारण सरकार ने उन्हें कार्यमुक्त कर दिया। इससे बीज निगम के एमडी का पद खाली हो गया था। सारांश मित्तर ने बीज निगम के एमडी का कार्यभार संभाल लिया है।